

रजिस्ट्री सं० डी—(डी)—



REGISTERED NO. D-1(D)-73



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 11, 1979 (श्रावण 20, 1901)
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 11, 1979 (SRAVANA 20, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1979

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० ए० 12026/1/79-प्रश्ना० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री वाई० आर० गांधी को 10-7-79 से तीन महीने की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो

सं० पी० 1150/प्रश्ना० II—श्री एम० एल० खण्डूरी, स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख), ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1977 में अर्हता प्राप्त कर ली थी

दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० पी०/1526-प्रशा० (भाग II)—मारुति जांच आयोग से प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप के० सं० से० के चयन ग्रेड अधिकारी श्री एन० के० प्रसाद ने 30-6-1979 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप मंचिव के पद का कार्य-भार संभाल लिया है।

एस० बालचन्द्रन,
अवर मंचिव

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० ए०-19020/1/79-प्रशासन-5—यू० के० में कोलम्बो योजना के अधीन मानचेस्टर विश्वविद्यालय में विदेशी अतिथि सदस्यों के लिए प्रशासनिक अध्ययन विभाग में लोक-प्रशासन अध्ययन कार्यक्रम में प्रशिक्षण से दिनांक 12-6-1979 के पूर्वाह्न में लौटने के बाद, श्री जी० पी० पिलानिया, भारतीय पुलिस सेवा (1955-राजस्थान), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 12-6-1979 से राजस्थान सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सतीश कुमार झा,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० सी०-3/73-प्रशासन 5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री सी० एम० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (1962-उत्तर प्रदेश), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 7 जुलाई, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० के०-30/65-प्रशा० 5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री के० एम० रंगाचारी ने दिनांक 30-6-79 के अपराह्न

अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 30 जून, 1979 के अपराह्न में हिमाचल प्रदेश सरकार को वापस सौंपी जाती है।

हीरो ए० शहानी,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ओ० दो० 129/75-स्थापना—ले० कर्नल एम० एम० अलख (अवकाश प्राप्त) ने पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्ति पर सहायक कमाण्डेन्ट ए० डब्ल्यू० एस०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 12-5-79 (अपराह्न) से त्याग दिया।

सं० ओ० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर बी० बलीप मूर्ति को 25-6-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 24 जुलाई 1979

सं० ओ० दो० 1440/79-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर सुनिल कुमार मिश्रा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड I (सहायक कमाण्डेन्ट) के पद पर 14-6-1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० 10/25/78-प्रशा०-1/13808—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड 3 के अधिकारी और भूतपूर्व केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, सांख्यिकी विभाग नई दिल्ली में भूतपूर्व उप-निदेशक कुमारी जी० सुगुना कुमारी को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 30 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

तक ग्रहणाचल प्रदेश, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राय का मुख्यालय शिलांग में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० 23/3/79-सी ती० आई०—जून; 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपमोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई, 1979 के स्तर से छः अंक बढ़ कर 345 (तीन सौ पैंतालिस) रहा है। जून, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष

1949=100 पर परिवर्तित किये जाने पर 419 (चार सौ उन्नीस) आता है।

त्रिभुवन सिंह,
उप निदेशक

विस्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० 491/ए०—वि० 8-5-1979 के क्रम में श्री एस० एन० चक्रवर्ती को उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति वि० 4-6-1979 से भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियमित मानी जाएगी।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 1216-सी० ए० 1/44-79--प्रार उप नियंत्रक महा लेखा परीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखित कार्यालय में कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत है	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किए गए	स्थानापन्न लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात की तारीख
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1	एम० एम० घोष	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	18-5-79 (पूर्वाह्न)
2	निरंजन पाल	महालेखाकार-II, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।	महालेखाकार-II, पश्चिमी बंगाल, कलकत्ता।	18-5-79 (पूर्वाह्न)
3	जी० डी० साहा	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, कलकत्ता।	18-5-79 (पूर्वाह्न)
4	ज्योत्सनामय मजुमदेर	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक नई दिल्ली।	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	13-6-79 (पूर्वाह्न)
5	आर० ब्रधनाथन II	महालेखाकार-II, तमिलनाडु, मद्रास।	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षक, बम्बई।	14-6-79 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4	5
	सर्व/श्री			
6	जी० टी० अब्राहम	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास।	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई।	15-6-79 (पूर्वाह्न)
7	ग्यारसी लाल यादव	महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर।	—वही—	15-6-79 (पूर्वाह्न)

एम० एस० भोवर, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक, लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ०-167/पी० एफ०/एम० एल० बहल/79-80/754—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय शापन सं० 25013/7/77-स्था० (क) दिनांक 26-8-1977 की शर्ती के अधीन 20 वर्ष से अधिक की अर्हक सेवा पूरी कर लेने के पश्चात् श्री एम० एल० बहल इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छापूर्वक दिनांक 20-7-1979 के पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त होंगे।

2. श्री बहल ने भारत सरकार की सेवा में दिनांक 9 जून, 1947 को प्रवेश किया था तथा उनकी जन्म तिथि 10 अप्रैल, 1929 है।

समर राय, उप-निदेशक
लेखापरीक्षा (प्रशासन)

नई दिल्ली-110054, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० प्रशा० III-195/23(ए०)(2) अधिसूचनाएं—
णाखा लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास के स्थायी लेखा परीक्षाधिकारी श्री एम० एस० स्काफ्टर दिनांक 31-5-1979 (अपराह्न) से निवर्तन पर सेवा निवृत्त हो गये हैं।

लछमन सिंह, संयुक्त निदेशक
लेखा परीक्षा

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० 2122/ए-प्रशासन/130/79—बाधक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर सर्वश्री एच० एल० मल्होत्रा और टी० एस० बी० राव, स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी, दिनांक 30-6-79 (अपराह्न) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 2123/ए-प्रशासन—130/79 निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं निम्नलिखित अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को

उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गयी	नियुक्ति की तिथि
1	2	3	4
(1)	श्री बी० एस० जगोटा	लेखा परीक्षा अधि-कारी, रक्षा सेवाएं जलन्धर।	25-6-79
(2)	श्री डी० सनयाल	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना।	18-6-79
(3)	श्री जी० आर० बगूर	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पूणे।	25-6-79
(4)	श्री ए० बी० गोपालारत्नम	सहायक निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं मद्रास।	5-7-79

सं० 2124/ए० प्रशासन/130/79—श्री के० एम० मेथ-कुंज, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी जो संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूणे, में नियुक्त थे, उनका दिनांक 2-7-79 को देहान्त हो गया।

के० बी० दास भौमिक, संयुक्त निदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० 3583/प्रशासन-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर I के एक स्थाई अधिकारी,

वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग में सचिव (व्यय) के रूप में प्रतिनियुक्ति, श्री जे० पी० कक्कड़ को दिनांक 1 दिसम्बर, 1977 से रक्षा लेखा महानियंत्रक के ग्रेड में मूल पदधारी के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बखशी, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स एवं आर्डनेन्स उपस्कर फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 30 जून 1979

सं० 5/79/ए०/एम०—दिनांक 12-5-1979 को समाप्त होने वाले सप्ताह के भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I के पृष्ठ 3671 (अंग्रेजी) और 3569 (हिन्दी) पर प्रकाशित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों की स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के पद पर प्रोन्नति सम्बन्धी दिनांक 7-2-1979 की मसौदा गजट अधिसूचना सं० 1/79/ए०/एम० जिसे संख्या 408/ए०/एम० दिनांक 7-2-1979 के अन्तर्गत जारी किया गया था, एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

सं० 6/79/ए०/एम०—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डनेन्स फैक्टरी स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति स्थान	तारीख
1	2	3	4
1.	डा० श्रीमती बी० सरकार	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर	29-6-78 (31-8-78 को सेवा निवृत्त)
2.	डा० बी० एन० सेन	आर्डनेन्स फैक्टरी, बरगगांव	29-6-78
3.	डा० डी० के० सान्याल	कार्डिफ्ट फैक्टरी, अरुवन्काडु	4-7-78
4.	डा० ए० आर० चट्टोपाध्याय	आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बरनाथ	29-6-78
5.	डा० एस० के० भट्टाचार्या	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	29-6-78
6.	डा० कुमारी जे० आर० बरुआ	आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर।	29-6-78
7.	डा० आर० के० पाल	आर्डनेन्स फैक्टरी, कटनी	29-6-78

1	2	3	4
8.	डा० पी० जी० सरकार	आर्डनेन्स फैक्टरी, तिरुचिरापल्ली।	29-7-78
9.	डा० प्रियकेश मुखर्जी	आर्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून।	29-6-78
10.	डा० के० वी० दासगुप्ता	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर	15-9-78
11.	डा० एस० के० मजुमदार	गनकैरिज फैक्टरी, जबलपुर।	1-7-78
12.	डा० एम० जी० चक्रवर्ती	आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बाझारी	24-7-78
13.	डा० कुमारी के० सुवय्या	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	15-10-78
14.	डा० पी० के० सरकार	आर्डनेन्स फैक्टरी, भुसावल	16-5-79

श्री० पी० बहल, अपर महानिदेशक, कृते महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० 12/639/69-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर के श्री एन० के० ए० राव, निदेशक ग्रेड II (यांत्रिक) को दिनांक 1 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में तदर्थ आधार पर निदेशक, ग्रेड I (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० प्र०-1/(470)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी सहायक निदेशक ग्रेड-I और स्थानापन्न उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री डी० आर० नागपाल निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30-6-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्र०-1/1(1138)/79—इस कार्यालय की दिनांक 19-6-79 की इसी संख्या की अधिसूचना के आंशिक संशोधन में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) श्री बी० के० सक्सेना को दिनांक 21-6-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली

के कार्यालय में अधीक्षक के स्थायी पद पर अवनत किया जाता है।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० ई०-II(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II(7) में श्रेणी 3 भाग 2 के अधीन "ब्लामिक्स-बी" प्रविष्टि के पश्चात् "क्साडेक्स" जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंग मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० ए०-31014/8/75—सिम्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने दिखाये हुए दिनांक से छायाग्राहक के पद पर मौलिक क्षमता में नियुक्त किया है:—

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री एन० नरसिंह राव, स्थायीवत् छायाग्राहक	19-1-1965
2.	श्री बलदेव खोसला, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न मुख्य छायाग्राहक	28-6-1968
3.	श्री एम० एस० पेंडूरकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	18-12-1969
4.	श्री डी० एन० चांदेकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	16-4-1972
5.	श्री व्ही० पी० परमार, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	16-3-1976
6.	श्री एम० एस० गंगाधर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	16-3-1976
7.	श्री एच० आर० बोरेस्वामी, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	16-3-1976
8.	श्री पी० डब्ल्यू० बाबकर, स्थायीवत् सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	29-3-1976

1	2	3
9.	श्री के० एन० एस० अय्यंगर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	29-3-1976
10.	श्री बी० एस० माथुर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	29-3-1976
11.	श्री के० जगजीवनराम स्थायीवत् छायाग्राहक	13-8-1977
12.	श्री डी० आर० हलवणकर, स्थायी सहायक छायाग्राहक और स्थानापन्न छायाग्राहक	15-1-1978

एम० चन्द्रन् नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

आकाशवाणी

चंडीगढ़, दिनांक 16 जून 1979

आदेश

सं० 21(22)/75-3—जैसा कि श्री भिन्दर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह जो इस समय भारत सरकार, आकाशवाणी, चंडीगढ़ में प्रतिनिपिक के पद पर नियुक्त हैं ने घोषणा की है कि उन्होंने अपना नाम भूपिन्दर सिंह तबदील कर लिया है।

2. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह पुत्र श्री करनैल सिंह ने 8-3-79 को एक वस्तावेज निष्पादित करते हुए अपने पूर्व नाम श्री भिन्दर सिंह का प्रयोग पूरी तरह से छोड़ और त्याग दिया है और उसके स्थान पर भूपिन्दर सिंह नाम को अपना लिया है ताकि वह अपने पहले नाम भिन्दर सिंह से नहीं बल्कि भूपिन्दर सिंह के नाम से पुकारा, पहचाना और जाना जाए और उसी दस्तावेज के द्वारा सब लोगों को अधिकृत और विनती की है कि हमेशा के लिए अब के बाद उन्हें भूपिन्दर सिंह के नाम से पुकारा, पहचाना और जाना जाए।

3. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह ने अपने इस कार्य की एक लोक जन-सूचना जारी की है और उसको दिनांक 13-12-78 को इण्डियन एक्सप्रेस में प्रकाशित करवाया है ताकि सब सम्बन्धित व्यक्तियों को ज्ञान और पता चल जाए कि उन्होंने अपना नाम भूपिन्दर सिंह तबदील कर लिया है।

4. जैसा कि उपरोक्त श्री भिन्दर सिंह ने इस कार्य की सूचना दिनांक 24-2-1979 के भारत राजपत्र में प्रकाशित करवायी है कि उन्होंने अपना नाम बदल लिया है और इसके बाद भूपिन्दर सिंह के नाम से जाना जाए।

5. अब इसलिए अधः हस्ताक्षरी, कार्यालय के मुखिया के रूप में जिसमें श्री भिन्दर सिंह प्रतिलिपिक के पद पर कार्य कर रहे हैं, श्री भिन्दर सिंह की उपरलिखित बिनती की उनका मौजूदा नाम श्री भिन्दर सिंह से भूपिन्दर सिंह की तबदीली मारे सरकारी कागजात और सरकारी रिकार्ड जिनका सम्बन्ध श्री भिन्दर सिंह से है इस हुकुम के जारी होने की तारीख से मंजूर की जाती है।

ह० अपठनीय
केन्द्र निदेशक

कृपि एवं सिचाई मंत्रालय

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० 2(1)/79-स्था० (1)---सहायक संपादक (हिन्दी) के पद पर श्री धीम प्रकाश गुप्त की तदर्थ नियुक्ति 30 जून, 1979 से आगे 31 अगस्त, 1979 तक बढ़ा दी गयी है।

बद्री नाथ चड्ढा
निदेशक प्रशासन

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं० ए० 12025/14/78-(एफ० आर० एस० एल०) (प्रशासन-I)---राष्ट्रपति ने खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला गाजियाबाद में कार्य कर रहे कनिष्ठ विश्लेषक श्री आई० चक्रवर्ती को उसी प्रयोगशाला में 12 जन, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० 9-30/72-प्र०-1---अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती शुक्ला नन्दा ने 31 मार्च, 1979 अपराह्न को राजकुमारी अमृत कौर कालेज आफ नर्सिंग, नई दिल्ली से क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 12025/8/77-(जे० आई० पी०)/प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने डा० आर० राजन को 15 मई, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में जीव रसायन के सहायक प्रोफेसर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन (प्रो० एण्ड एम०)

नई दिल्ली दिनांक 21 जुलाई 1979

सं० ए० 32014/4/79-भण्डार-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने चिकित्सा सामग्री भण्डार, कलकत्ता के आफिस सुपरिन्टेन्डेंट श्री के० डी० लाहिरी को 19-6-1979 अपराह्न से छः महीने की अवधि के लिए उसी विभाग में सहायक डिपो मैनेजर (ग्रुप बी०-राजपत्रित) के पद पर नियुक्त किया है।

आर० सो० शर्मा,
महानिदेशक

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 जुलाई, 1979

सं० ए० 19023/57/78-प्र० III---विपणन अधिकारी वर्ग-I) के पद पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को तारीख 30-9-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री एम० चक्रवर्ती
2. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
3. श्री आर० वी० कुरुप
4. एस० वी० कृष्णमूर्ति
5. श्री एस० डी० फड़के

सं० ए० 19025/65/78-प्र० III---सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पदों पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31 जुलाई, 1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

1. आर० एस० सिंह
2. बी० एन० के० सिन्हा
3. ए० एन० राव
4. आर० वी० एस० यादव
5. एम० पी० सिंह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एस० पी० शिन्दे
9. आर० सी० मुंशी
10. के० के० तिवारी
11. एस० के० मलिक
12. एम० डी० काथलकर
13. आर० के० पाण्डे
14. एम० जे० मोहन राव
15. के० के० सिरौही
16. श्रीमती अनुसूय्या शिवराजन
17. वी० ई० इडविन

18. सर्व श्री एस० पी० सक्सेना
19. एन० जी० शुक्ल
20. आर० सी० सिंघल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० वाघ
23. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
24. बी० एल० वैराघर
25. एस० आर० शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एस० चैलापति राव
28. के० जयनन्दन
29. सी० एम० गिरधर
30. एस० ए० शमसी

श्री एस० एस० आर० शर्मा वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, गुन्दूर में तारीख 22-6-79 से 31-7-79 तक या जब तक पद नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप से सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19024/2/79-प्र०III—निम्नलिखित अधिकारियों की मुख्य रसायनज्ञ के पद पर अल्पकालीन नियुक्ति को 30 सितम्बर, 79 तक, या जब तक पद नियमित रूप से भरे जाते हैं, जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

1. श्री चन्द्र प्रकाश
2. श्री ए० ए० एस० प्रकाश राव
3. श्री एन० कासी राव

दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० ए० 19023/6/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एन० पी० काम्बले, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में अंग्रेज में तारीख 25-6-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 19023/7/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एच० सी० सिरका, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में मद्रास में तारीख 30-6-79 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के उपरान्त श्री सिरका ने तारीख 23-6-79 (अपराह्न) को बाराणसी में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19024/2/79-प्र०III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एम० डी० जोन को इस निदेशालय के केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में तारीख 22-6-79

(पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन/1 (139)/79-एस०-8194—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी फोरमैन तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री डी० एस० दड़वाल को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-I एस० बी० के पद पर 25 जून, 1979 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में अग्रिम आदेशों तक के लिये नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एस०/2/6(1)77-प्रशासन/18188—निदेशक क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जी० डी० राठौर को अवकाश स्वीकृत होने के कारण भंडारी श्री एम० आर० मैनोन को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 14-5-79 से 13-7-79 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/2/1(1)77-प्रशासन/18194—क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री अरविन्द पण्डा को अवकाश स्वीकृत होने के कारण भंडारी श्री के० सी० एस० पिल्लै को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 23-10-1978 से 27-11-1978 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/2/1(1)/77-प्रशासन/18200—निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु, ऊर्जा विभाग, श्री अरविन्द पण्डा को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के मुख्य भंडारी श्री वजीरचन्द को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में

दिनांक 25-5-79 से 30-6-79 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
सहायक कामिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन गमिमश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 3 जून 1979

आदेश

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1076—जब कि श्री बी० पी० श्रीवास्तव, कारिगर 'सी' जैड एफ० पी०, नाईस के रूप में कार्य करते हुए उन्हें 17-12-78 से मंजूर की गई 20 दिन की छुट्टी समाप्त होने पर 6-1-79 को ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव को 17-12-79 को उनके स्थानीय व स्थायी पतों पर तार भेज कर फौरन ड्यूटी पर आने का निदेश दिया गया था।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव लगातार ड्यूटी से गैर हाजिर रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय व स्थायी पतों पर ज्ञापन सं० नाईस /प्रशा-II/बी-60/जैड एफ पी/795, दिनांक 17-2-79 भेज कर सूचित किया कि यदि वे फौरन ड्यूटी पर नहीं लौटें तो उनके खिलाफ उचित कार्यवाही की जायेगी।

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो रजिस्ट्री डाक पावती सहित उक्त श्री श्रीवास्तव के स्थानीय पते पर भेज गया था वो डाक विभाग के प्राधिकारियों द्वारा टिप्पणी "बी०पी० श्रीवास्तव अपनी माताजी (जो नाजुक स्थिति में हैं) से मिलने गृह स्थान गए हैं व एक महीने बाद लौटेंगे" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी।

और जब कि दिनांक 17-2-79 का उक्त ज्ञापन जो बिहार में उनके गृह नगर भेजा गया था वो भी टिप्पणी "इस पते वाला बिडा पता बताए चला गया, भेजने वाले को वापिस", के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव लगातार गैर हाजिर रहे व नाईस को अपना अता पता बताने में असमर्थ रहे।

और जब कि उक्त श्री श्रीवास्तव छुट्टी समाप्त होने के बाद ड्यूटी पर न लौटने व अपनी मर्जी से सेवा का परित्याग करने के अपराधी हैं।

और जब कि नाईस को अपना अता पता बताए बिना सेवा का अपनी मर्जी से परित्याग करने के कारण निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 उपबन्धों के अधीन जांच आयोजित करना व्यावहारिक नहीं है।

2-18/GI/79

और अब, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41.8 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशा०, दिनांक 3-12-70 तथा नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) 1965, के नियम, 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

एन० कोण्डल राव
मुख्य कार्यपालक

हैदराबाद-500 762, दिनांक 9 जून 1979

आदेश

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1147—जब कि श्री सी० जंगैया मददगार 'बी' एफ० एफ० पी०, के रूप में कार्य करते हुए बिना किसी पूर्व अनुमति के 19-12-1977 से गैर हाजिर है। व नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 34 व 39(5) के अनुसार घोर दुश्चरण किया है।

और जब कि उक्त श्री जंगैया को उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की सूचना ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/1855, दिनांक 15-11-1978 द्वारा दे दी गई थी जिसमें उन्हें प्रस्तावित कार्यवाही के खिलाफ ज्ञापन मिलने की तारीख से 10 दिन के भीतर प्रतिनिधान करने का अवसर दिया गया था।

और जब कि उक्त श्री जंगैया ने उक्त तारीख 15-11-1978 का ज्ञापन 20-11-1978 को प्राप्त कर लेने के बावजूद भी अपना स्पष्टीकरण दाखिल करने में असफल रहे।

और जब कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के लिये दिनांक 15-12-1978 के आदेश द्वारा जांच आयोजित करने के लिये एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया।

और जब कि जांच अधिकारी ने उक्त श्री जंगैया के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिद्ध करते हुए एक तरफ जांच रपट 23-4-79 को दाखिल कर दी क्योंकि श्री जंगैया जांच के समय उपस्थित होने में असफल रहे।

और जब कि मामले के अभिलेखों व जांच रपट का सावधानी से अध्ययन करने के बाद निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस अन्तिम नतीजे पर पहुंचे कि श्री जंगैया को सेवा से बर्खास्त कर दिया दिया जाना चाहिए।

और जब कि उक्त श्री जंगैया को ज्ञापन सं० नाईस/प्रशा-5/20/959, दिनांक 16-5-79 द्वारा रजिस्ट्री डाक पावती सहित उनके स्थानीय व स्थायी पदों पर एक कारण बताओ नोटिस भेजी गई जिसमें उन्हें पूछा गया कि क्यों न उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया जाए।

और जब कि उक्त श्री जंगैया उक्त ज्ञापन 21-5-79 को प्राप्त कर लेने के बावजूद कारण बताओ नोटिस के प्रति अपना प्रतिनिधान दाखिल करने में असमर्थ रहे।

अब, इसलिये निम्न हस्ताक्षरकर्ता नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 41 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22(1)/68-प्रशा० दि० 3-12-70 तथा नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित, सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) 1965 के नियम, 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री जंगिया को इससे तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद—500762, दिनांक 27/31 मई 1979

जापन

सं० नाईस/प्रशा-5/20/1055—जापन सं० पी० ए० आर०/0702/जी-77/3380, दिनांक 18-1-1978 के साथ पठित नियुक्ति का प्रस्ताव (पत्र सं० पी० ए० आर०/0702/3192, दिनांक 1-1-1978) व साथ में जापन सं० पी० ए० आर०/1001/297, दिनांक 25-1-1979 के अनुसार, निम्न हस्ताक्षरकर्ता तत्काल प्रभाव से श्री के० गणेश मधुगार 'ए' जेड० ओ० पी०, नाईस, की सेवाएं समाप्त करते हैं। श्री गणेश, उनके एक सहोदर के वेतन व भत्तों की रकम के समकक्ष रकम का दावा करने के हकदार होंगे उन्हीं दरों पर, जिन दरों पर वे सेवा समाप्ति के पहले तक वेतन आदि प्राप्त कर रहे थे। यह नाईस के स्थायी आदेशों के पैरा 45 के मुताबिक नोटिस अवधि के बदले में है।

श्री गणेश को सलाह दी जाती है कि वे उनकी सब पास, सुरक्षा बैज व अन्य सरकारी सामान्य जो उन्हें दिया गया को फौरन प्रबन्धक, जेड० ओ० पी०, के पास जमा करा दें तथा लेखा अधिकारी, नाईस से अपना बकाया प्राप्त कर लें।

यू० वासुदेव राव
प्रशासन अधिकारी

सं० 020/3/(061)/पी/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में निम्नलिखित अधिकारियों की उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप में पदोन्नति करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद और ग्रेड जिससे पदोन्नति की गई है	पद और ग्रेड जिस पर पदोन्नति की गई है	तारीख
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	एस० बी० कुलश्रेष्ठ	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एम० बी०'	1-4-1979
2.	एम० आर० राघवेन्द्रन्	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम-603 102, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1315)/79 प्रशा०—विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के निदेशक, स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री के० नटराजन को 23 मई 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/2/1429/78—मूल विभाग में प्रत्यावासी होने के फलस्वरूप श्री डी० जी० कटारिया, अनुभाग अधिकारी (लेखा), पश्चिम रेलवे तथा तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रतिनियुक्त सहायक लेखा अधिकारी ने इस बिजलीघर में अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जून, 1979 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-560 058, दिनांक 14 जून 1979

सं० 020/3(061)/ए/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर और तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम	नाम	पदनाम	तारीख
महेश्वरी			
1.	नरेन्द्रनाथ रेड्डी डी०	इंजीनियर एस० बी०	23-1-1979
2.	सुरेन्द्र कुमार व्यास	इंजीनियर एस० बी०	3-5-1979

1	2	3	4	5
3.	के० टी० रामप्रसाद	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
4.	अजीत फडनीस	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
5.	के० एस० बालन	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
6.	एम० एस० फड़के	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
7.	के० एन० सुधाकरन	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
8.	एल० निकोलस	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
9.	एन० हरिदासन चेट्टियार	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979
10.	एम० बी० रामकृष्णा	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'	1-4-1979

एस० सुब्रह्मण्यम्,
प्रशासन अधिकारी II

महानिदेशक नागरविमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1979

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० ए० 38013/1/79ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, श्री एल० पी० समुअल, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने दिनांक 30-6-1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ह० ल० कोहली
निदेशक प्रशासन

सं० 1/120/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक श्री नरेश गंधीर को 5 मई, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1979

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० ए० 12025/3/71-ई-I—इस विभाग की दिनांक 16-4-1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई- के क्रम में महानिदेशक नागर-विमानन ने श्री के० के० शर्मा की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 30-6-1979 के बाद, छः माह के लिये अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 19014/169/72-ई-I—सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर भारतीय सांख्यिकीय सेवा ग्रेड के अधिकारी श्री पी० सी० माथुर, ने दिनांक 31-3-1979 को नागर विमानन विभाग में सांख्यिकीय अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32013/8/78-ई-I—राष्ट्रपति ने श्री आर० एन० मजुमदार, उपनिदेशक विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र (परिचालन) को दिनांक 8 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में निदेशक, विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र (परिचालन) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12022/1/79-ई-I—राष्ट्रपति, ने श्री के० एस० वेदी को दिनांक 12 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सांख्यिकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। इस विभाग की दिनांक 3-5-1979 की अधिसूचना सं० ए० 12025/1/79-ई-I को एतद् द्वारा रद्द किया जाता है।

सी० के० बत्स
सहायक निदेशक प्रशासन

सं० 1/409/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री आर० आर० नालकूर को 26 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/439/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री जी० पी० नास्कर को अल्पकालिक खाली जगह पर 11-12-78 से 25-4-1979 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जुलाई 1979

सं० 1/391/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा पुर्ण शाखा के तकनीकी सहायक, श्री जे० के० गंग को तदर्थ आधार पर 21 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से 15 अगस्त, 1977 (दोनों दिनों समेत) तक की अवधि के लिये और नियमित आधार पर 16 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरादून, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० 16/332/79-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एम० रंगाराजन, अण्डेमान निकोबार वन विभाग के सहायक अरण्यापाल को दिनांक 5 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय, कुसियोंग, नियुक्त करते हैं।

गुरदयाल मोहन
कुल सचिव,

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बडौदा

बडौदा, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० 9/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक आर० एच० पटेल वृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-79 के, अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 10/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक श्री जी० आर० पटेल वृद्धावस्था पेंशन के आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

जे० एम० बर्मा
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० 4—इस समाहर्ता क्षेत्र के अधीन (आर० बी० सी०/लेखा) श्री बी० जी० ताम्हजे निवृत्ती की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-6-1979 के अपराह्न से सेवा मुक्त हो गये हैं।

के० शंकररामन,
समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 18 जुलाई 1979

सं० 9/1979—निम्नलिखित निरीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी (ख) के पद पर पवोन्नति होने पर उन्होंने उनके नाम के सामने

दर्शाद्वि तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी (ख) के पद के कार्यभार ग्रहण कर लिए हैं।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
----------	----------------	-------------	-----------------------------

सर्वश्री :

1.	ए० टी० वेशमुख	अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, रायपुर	10-5-79 (पूर्वाह्न)
2.	जी०एम० दातेराव	अधीक्षक (निवारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, इन्दौर।	29-6-79 (पूर्वाह्न)

शिबन किशन धर
समाहर्ता

दक्षिण पूर्व रेलवे

कार्यालय, महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43, दिनांक 23 जुलाई 1979

सं० पी०/जी०/14/डी/2/कान्फ/पार्ट-II—इस रेलवे के लेखा विभाग के श्री शिवाजी रक्षित, अवर वेतनमान (श्रेणी-I) अधिकारी का पुष्टीकरण इस रेलवे के उक्त विभाग में अवर वेतनमान (श्रेणी-I) में दिनांक 16 जुलाई, 1977 से किया जा रहा है।

जे० एस० डी० डेविड,
महाप्रबन्धक

अचल सम्पत्ति का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2691 (4) के अन्तर्गत निहित करने से सम्बन्धित अधिसूचना

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अधिग्रहण रेंज-I का कार्यालय, 54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16।

कलकत्ता-16, दिनांक 23 फरवरी 1979

सं० एस० 63/354—एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि चौरंगी रोड, स्थित सम्पत्ति संख्या 46/1 ए, का अधिग्रहण, एतदर्थ विधिवत् प्राधिकृत अधिकारी श्री सी० आर० दे, कार्यकारी अभियन्ता, कलकत्ता सी० डी०-1, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता ने 1 दिसम्बर, 1978 को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2691 की उपधारा (1)/(2) में निहित उपबन्धों के अनुसार, कर लिया है। अधिनियम, की धारा 2691 की उपधारा (4) के अनुसार उक्त सम्पूर्ण सम्पत्ति, उपर्युक्त तारीख से बिना किसी ऋण भार के केन्द्रीय सरकार में निहित है।

आई० बी० एस० जुनेजा
(सक्षम प्राधिकारी)

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अधिग्रहण रज-I कलकत्ता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और नाथन ट्रांसपोर्ट

प्रा० लि० के विषय में

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1979

सं 3710/560 (3)/79—कम्पनी अधिनियम 1956 की
उपधारा 3 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है

कि इस तारीख से 3 मास के अवसान पर नाथन ट्रांसपोर्ट प्रा०
लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित ना किया गया तो
रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित्त कर
दी जाएगी ।

(सी० अधुतन)

सहायक कम्पनीयों का

रजिस्ट्रार, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई, 1979

निदेश सं० बी583/अर्जन/79-80—अतः, मुझे अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 274.38 वर्ग मीटर भूमि है तथा जो
मीजा दोलताबाग, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
20-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. रईस उदीन अहमद

(अन्तरक)

2. देवी सिंह व अन्य क्रेता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आराजी जिसका क्षेत्रफल 274.38 वर्गमीटर है जोकि
मीजा दोलताबाग, जिला मुरादाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह
सब विवरण जोकि फार्म 37 जी० नं० 5268 तथा सेलडीह में
वर्णित है और जो सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में
दिनांक 20-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 15-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

घाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई, 1979

निर्देश सं० बी-84/79-80—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा दोलतबाग, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गणना किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री रईन उद्दीन अहमद

(अन्तरक)

2. श्री भूदेवसिंह व अन्य खरीददार

(अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी जिसका क्षेत्रफल 154.60 वर्गमीटर है, जो कि मौजा दोलतबाग, जिला मुरादाबाद में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी नं० 5268 तथा सेलडीड में वर्णित है और जो सब रजिस्टार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 25-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-5-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मई, 1979

निर्देश सं० के-86/अर्जन/79—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो मो० महात्मा गांधीनगर, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है। —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किन्हीं घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्याम रमन शुक्ला

(अन्तरक)

2. मै० कपूर एण्ड सन्स

श्याम सरन शुक्ला

(अन्तरिती)

3. श्री श्याम सरन शुक्ला

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता आहाता टीनपोश मय जुन ला व अमला तादादी 38.21 वर्ग मीटर बाके मोहल्ला महात्मा गांधी नगर, मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 5459/78 में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 28-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 10-5-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जून, 1979

निदेश सं० पी-71/ए०सी०क्यू०/79-80—अतः मुझे
अमर सिंह बिसेन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

और जिसकी सं० है तथा जो चौक बाजार,
नजीबाबाद, जिला बिजनौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी
के कार्यालय नजीबाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरि की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, प्रार्थित :—

1. श्रीमती ऊषा राजी

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा कुमारी

(अन्तरिती)

3. श्री अब्दुल रहमान, मौयामीन,
मो० नईम

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता दुकान जिसका क्षेत्रफल 43 मुरब्बा गज, है जो
कि चौक बाजार, नजीबाबाद जिला बिजनौर में स्थित है व
सम्पत्ति का वह सब विवरण जो मैलडीड व फार्म 37-जी में
वर्णित है और सब रजिस्ट्रार नजीबाबाद के कार्यालय में दिनांक
17-11-78 को दर्ज है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-6-79

मोहर :

पक्ष्य धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जुलाई 1979

निर्देशन नं० के-87/ए०सी०क्यू०/—प्रतः सुले अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० बी-8 है, तथा जो एच० रोड, महानगर इकटेन्सन स्कीम लखनऊ, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धार की शर्त 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के कार्यालय में कमी करने या उससे अधिक में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य धारियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० बी० जिन्दल एवं ए० सी० गुप्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती कुशम अग्रवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट नं० बी-8, जोकि 103325 स्क्वायर फीट है तो एच० रामड, महानगर एक्टेन्सन स्कीम लखनऊ, में स्थित है और सम्पत्ति सेलडीड का सम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जी नं० 5102 में वर्णित है। तो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 5-7-1979
मोहर

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 जुलाई, 1979

निदेश सं० एम-175/ए० सी० क्यू०/79-80—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और और जिसकी सं० 941 है तथा जो मो० सट्टी बाजार, मिर्जापुर में स्थित (और इसमें उदावद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में शान्तविध रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एमो किमा प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जो जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगानां अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यहां यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रेम नाथ खान्देलवाल

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ति देवी

(अन्तरिणी)

3. प्रिंसिपल जू० टे० कालेज, महिला मिर्जापुर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान पक्का 72000 वर्ग फुट पर बना हुआ जिसका नं० 941 है, और जो मोहल्ला सट्टी, रोड मिर्जापुर पर स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 5310 में वर्णित है जोकि रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी कलकत्ता में के कार्यालय में दिनांक 20-11-1978 को दर्ज हुए हैं।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 5-7-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० एन-177/अर्जन/79-80—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो ग्राम भडोरा, रामपुर रोड, मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ऋणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-करण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद उममान मुर्की, अठ्ठुर मजीद (अन्तरक)
2. संजय गोयल पुत्री मनीराम चन्द्र गोयल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता इमारत कारखाना मए आराजी तस्ती व सहन 1818.83 वर्ग मीटर वाले ग्राम भडोरा, रामपुर रोड, मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी, संख्या 5222/78 में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-8-78 को पंजीकृत हो चुकी है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 20-7-79
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा,

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० 576/भटिण्डा/79-80—यतः मुझे भुवनेश्वर चन्द घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिभार के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती राजेन्द्र कौर, पत्नी गुरचरण सिंह
जी-1, पुलिस स्टेशन, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री जिवदेव सिंह पुत्र ईश्वर सिंह
प्लॉट नं० 521-सी, केज नं० 1, अरबन स्टेट,
भटिण्डा ।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति को रक्खता है ।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट अरबन स्टेट, भटिण्डा में जैसा कि विलेख नं० 4384 दिमम्बर, 78 रजिस्ट्रार अधिभार भटिण्डा में लिखा है ।

भुवनेश्वर चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० पी० 577/फिरोजपुर/79-80—यतः सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्दावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती बालोचा थली, में स्थित है (और हममें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्द्रह से अधिक हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यवस्थित रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कृत्रिम लाभ को बाधना, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आर या किसी धन या अन्य वास्तव्यों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मोहिन्द्र कौर पत्नी दरबारा सिंह
वासी बस्ती बालोचावाली, फिरोजपुर (अन्तरक)
2. श्री दर्शन लाल पुत्र श्री किशोर लाल
वासी बस्ती बालोचावाली, फिरोजपुर (अन्तरक)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्दावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान, बस्ती बालोचावाली में जैसा कि विलेख सं० 4479 दिसम्बर 78 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक: 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० ए० पी० 578/टी० एन०/79-80—यतः सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो और मण्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवन्डी राय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति व उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण व रु० किसी धार की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. पूर्ण चन्द पुत्र मुखरीराम
और मण्डी, भटिण्डा

(अन्तरक)

2. श्री सतीश चन्द्र, देस राज, देव राज, ब्रह्मवत्त, हेमराज, मुपुव हरीराम, द्वारा सं० हरीराम देसराज आकृति और मण्डी, भटिण्डा 5

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

तो यह सूचना देने हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान, और मण्डी में जैसा कि बिलेख नं० 1552 दिसम्बर, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवन्डी, साबु में लिखा है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी०-579/टी एन/79-80-अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथय जो और मण्डी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तलवन्डी साबू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अतिरिक्त नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाह्य भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री पूर्ण चन्द पुन मुन्शी राम पुन टीगा मल,
वार्ड नं० 9-1/ए, और मण्डी

(अन्तरक)

2. सर्व श्री मतीण चन्द्र, देमराज, देव राज, ब्रह्म दल,
देमराज सुपुत्र हरीराम, द्वारा हरीराम देमराज, आहर्ता
और मण्डी

(अन्तरित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बों के लिए आवश्यक करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कायदा अधिनियम:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

असूची

एक मकान और मण्डी में जैसा कि विलेख नं० 1570 दिसम्बर, 78 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवन्डी साबू में लिखा है।

सुखदेव चन्द

मन्त्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० 580/फिरोजपुर/79-80—अतः मुझे

सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैमाकि अनुसूची में है तथा जो फिरोजपुर छावनी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, धारक :—

4—186GI/79

1. पार्वती देवी विधवा कन्हैया लाल

द्वारा रत्न लाल जैन, पुत्रजी० ए०,

गली नं० 1, फिरोजपुर छावनी ।

2. सर्वश्री हुकम चन्द, मेहरचन्द, रामप्रकाश, सतपाल सुपुत्र गुरदिता मल, बाजार, नं० 8 फिरोजपुर छावनी

(अन्तरिती)

3. जैमाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसे व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान गली नं० 1, फिरोजपुर छावनी जैमाकि विलेख नं० 4914 जनवरी, 1979 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख 20-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० नं० १२०—

1. श्री ला० पांडरी भलाय सभिकल मिशन (बाम्बे यूनिट)

(अन्तरक)

प्राधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन प्रस्ताव

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई, 1979

निर्देश सं० ए०पी० 301/ए०आर०-III/1685/5/78-79-

—अतः मुझे वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० एस० नं० 90 हि नं० 0 1 (अंश) 1/1 सी० टी० एम० नं० 1766 है तथा जो चेन्नूर विलेज में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-11-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राप्ति या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मूलचन्द जवेरचन्द मोमया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिदात्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राज्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1857/77, उप रजिस्ट्रार अधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-11-78 के रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-II, बम्बई

तारीख 28-5-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० आर०-I/4080-22/अक्त० 79-अतः मझे
व्ही० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/1071 है, तथा जो गिरगांव
डिवीजन में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-12-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लि-
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वरलाल भगतलाल दलाल
- (2) श्रीमती रंजन ईश्वरलाल दलाल
- (3) मधुसुदन ईश्वरलाल दलाल

(अन्तरक)

2. मैसर्स नन्दू इंटरप्राइसेस

(अन्तरिती)

3. (1) बैंक आफ इण्डिया
- (2) शहा बी एन
- (3) सी० बी० पटेल
- (4) एल० आर० शहा
- (5) वेलबाई मुलजी शाह
- (6) पोपटलाल गिरधरलाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूचि जैसा कि लिखेख नं० 712/78/बम्बई, बम्बई
उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-12-78 के रजिस्टर
किया गया है।

व्ही० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख 24-7-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III/7-79/362-अतः

मुझे डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-II/38 है, तथा जो सफदरजंग डबलपमेंट एरिया, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री आशाराम अग्रवाल सुपुत्र श्री सालिगराम निवासी "जीवन दीप", चौथी मंजिल, पालियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली-110001

(अन्तरक)

2. श्री राजीव गोवर सुपुत्र श्री के० एल० गोवर निवासी 20-बी/I, वेशबन्धू गुप्ता रोड, देव नगर, नई दिल्ली-110005।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान, जो प्लॉट नं० सी-II/38, क्षेत्रफल 316 वर्ग गज, सफदरजंग, डबलपमेंट एरिया, महारौली, रोड, नई दिल्ली-110016 में निम्न प्रकार से स्थित है :-

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : मकान नं० सी-II/37

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 20-7-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/ /नवम्बर-21/4517/78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10/81 है, जो तथा पंजाबी बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. प्रधान सिंह, सुपुत्र सरदार निर्मल सिंह,
डी-II/17, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

2. सुदर्शन कुमार मलहोत्रा, सुपुत्र श्री के० सी० मलहोत्रा
तथा श्रीमती वीणा मलहोत्रा, पत्नी श्री एम० के०
मलहोत्रा, 42/1, डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एरिया,
कीर्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 536-11 वर्ग गज
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सविस लेन
पश्चिम : रोड नं० 81
उत्तर : प्लॉट नं० 8 पर ब्लिडिंग
दक्षिण : प्लॉट नं० 12 पर ब्लिडिंग

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-2-79

मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एम०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-51/4547/
78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4736/II, पार्ट-बी है, तथा जो 23-अन्सारी
रोड, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाव की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाव या किसी घन या ग्रन्थि प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री दिवान दीलत राय कपूर
सी-96, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
- (2) श्री बी० के० कपूर,
सी-407, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
- (3) श्री सी० एल० बहल
- (4) श्री हरी नाथ कपूर
- (5) श्री एच० एन० कपूर
- (6) श्रीमती शशी कपूर
- (7) श्रीमती शाम कपूर
सभी निवासी 4736, पार्ट-बी, 23 अन्सारी रोड,
दरियागंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं २० एम० सी० ए० कन्सट्रक्शन कं०,
इनके प्रोपराईटर : श्री एम० पी० गुप्ता के द्वारा,
16/एफ-3, दरियागंज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के धार्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस धार्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

एक मंजिला ब्लिडिंग जोकि 1162 वर्ग गज क्षेत्रफल की
भूमि पर बनी हुई है, इसका नं० 4736, पार्ट-बी (नया) तथा
6147 (पुराना) है, 23-अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

- पूर्व : अन्सारी रोड
पश्चिम : जायदाद नं० 22
उत्तर : 45 चौड़ी सड़क
दक्षिण : श्रीमती फिरोजा बेगम की जायदाद

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-74/4489/
78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिनकी सं० ई-108 पार्ट-ए है तथा जो मानसरोवर गार्डन
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई क्रिया आय की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक व
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाधे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

1. गुलशन कुमार चावला सुपुत्र श्री एम० एल० चावला
आई-24 कीर्तीनगर नई दिल्ली-15
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी एस० जोगिन्दर सिंह
59 नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 477.75 वर्ग गज है और
नं० ई-108, पार्ट-ए, है, मानसरोवर गार्डन, बसाएदारपुर, गांव
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन
पश्चिम : रोड
उत्तर : प्लॉट नं० ई-109
दक्षिण : प्लॉट नं० ई-107

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-75/4490/78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आश्वासन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० ई-108, पार्ट-बी, है तथा मानसरोवर गार्डन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में रुकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में यदि किसी धन को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. जगदीश चन्द्र सचदेवा, सुपुत्र श्री आर० एल० सचदेवा निवासी आई०-24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-15

(अन्तरक)

2. श्री एस० सज्जन सिंह सुपुत्र एस० मेहर सिंह निवासी 59, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 477.75 वर्ग गज है और नं० ई-108, पार्ट-बी, है, मानसरोवर गार्डन, बसाएदारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व : लेन
पश्चिम : रोड
उत्तर : प्लॉट नं० ई-109
दक्षिण : प्लॉट नं० ई-107

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

ओहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० टी० एन० एस०/II/नवम्बर-18/4434/78-79/1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो, लोथियन रोड, काशमीरीगेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाये सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—186GI/79

1. श्री पुरन सिंह नाक्या, सुपुत्र श्री आर० सी० नाक्या, निवासी 919, काशमीरीगेट, दिल्ली

(अन्तरक)

2. एशिया ब्लिडर्स एण्ड बान्देक्टरम,

ए-18बी/आरमफ अली रोड, नई दिल्ली, इनवे: हिस्सेदार आर० के० अग्रवाल के द्वारा

(अन्तरिती)

3. म० पावर टूलस अप्लाइन्स कं० लि०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1558-1660 (नया) का 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है, लोथियन, रोड, काशमीरीगेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली पोलोटेक्नीक

पश्चिम : लोथियन रोड

उत्तर : ओलनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटेक्नीक

दक्षिण : जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
69-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/II/नवम्बर-19/4435
78-79/1925 अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया)
है तथा जो लोथियन गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपानवद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुनील कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री एम० एल० गुप्ता
निवासी 547, गली बहल, साहिब, काश्मीरी गेट,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० एशिया बिल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्शन,
ए-18/बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली । इसके
हिस्सेदार श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा

(अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स अपलाईन्स कं० लि०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) का
1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज के
लगभग है, लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम : लोथियन रोड
उत्तर : आलनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण : जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-17/4433/1925 अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

1. श्री अनिल कुमार, सुपुत्र श्री एन० एल० गुप्ता
544, गजो बहल साहिब, काशमोरो गेट, दिल्ली
(अन्तरक)

2. एशिया बिल्डिंग्स एण्ड कान्स्ट्रक्शन टरर्स,
ए-18-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। इसके हिस्सेदार
श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा।
(अन्तरिती)

3. मै० पावर टूल्स अप्लाइन्स कं० लि०
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) का 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है —

पूर्व	दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम	लोथियन रोड,
उत्तर	ओल्डमट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण	जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

तारीख 21-7-79
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1979

निदेश जं० आई० ए० आर०/एक्यू०/11/नवम्बर/42/4538/78-79/—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 156) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कम नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कम करने या उभरे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कियों घात या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माति :—

1. श्रीमती शैल गुप्ता, पत्नी श्री पी० जी० गुप्ता, 1156, बड़ा बजार, काश्मीरी गेट दिल्ली। (अन्तरक)
2. एशिया बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टर्स, ए-18बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। इनके हिस्सेदार श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा। (अन्तरिती)
3. मै० पावरटूल्स आर्गनाईज्म कं० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त धर्माति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया का) 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है लोथियन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है

पूर्व : दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम : लोथियन रोड
उत्तर : प्रोलनड बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण : जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, दिल्ली

तारीख 21-7-79
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/तबम्बर-41/4537/

78-79—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर पम्पनि, तिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिनकी सं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) है तथा जो लोथियन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का तदनु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पा गुप्ता पत्नी श्री जी० सी० गुप्ता
1156, बड़ा बाजार, काशमीरी गेट, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. मै० एशिया बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रैक्टरस,
ए-18/बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। इनके हिस्सेदार
श्री आर० के० अग्रवाल के द्वारा।
(अन्तरित)

3. मै० पावर टूल्स अपलाईन्स कं० लि०
(जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 767 (पुराना) 1658-1660 (नया) का 1/5 अविभाजित हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज के लगभग है, लोथियन रोड, काशमीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : दिल्ली पोलोटैक्नीक
पश्चिम : लोथियन रोड,
उत्तर : आलनट बिल्डिंग दिल्ली पोलोटैक्नीक
दक्षिण : जायदाद नं० 1661

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रकरण आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-50/4546/
78-79/1925—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 5, 7 कैनाल रोड, है तथा जो सिविल लाइन्स
विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हबीबुर रहमान, सुपुत्र हाजी मोहम्मद
2, 5, 7 कैनाल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सावन कृपाल, रूहानी मिशन सोसाइटी,
श्री एस० एस० दुग्गल के द्वारा 23/141, लोधी रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
विषे एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 11,517 वर्ग
गज है, कैनाल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : नजफगढ़ नाला

पश्चिम : रोड

उत्तर : अशोका फौवारी

दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की
जमीन ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/नवम्बर-47/4543/78-79/—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड है, तथा जो सिविल लाईन्स, विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खूलीलूर रहमान, सुपुत्र स्वर्गीय हाजी मोहम्मद ईजमाइल ककवन, 2, 5, 7 केनरल रोड, सिविल लाईन्स, विजय नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सावन कृपालू खहानी मिशन सोसाईटी, श्री एस० एस० दुग्गल के द्वारा 23/141; लोधी रोड नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 11,517 वर्ग गज है, और केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : नजफगढ़ नाला

पश्चिम : रोड

उत्तर : अशोका फैक्टरी

दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की जमीन।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 21-7-79

मोहर :

प्रारूप आई० बी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/तन्वम्बर-48/4544/78-79 1925—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 2, 5, 7, केनल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाङ्ग अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तन्वम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या हिस्सा धन या अन्य प्राप्तियों को, जिनसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. श्री मोहम्मद नाबीर, खलीफ़ रहमान तथा हार्बिबुर रहमान, सुपुत्र तथा श्रीमती जामाउद हसीन तथा इअताफ-उल-नीसा, सुपुत्री स्वर्गीय श्री हार्जी मोहम्मद इजमाईल, 9, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सावन कृपाल रुहानी मिशन सोसाईटी, श्री एम० एम० दुग्गल के द्वारा 23/141, लोधी रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शरटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

भूमिसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 1170 वर्ग मीटर है, केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स, विजय नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : नजफगढ़ ताला
पश्चिम : रोड
उत्तर : अशोका फील्डरी
दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबत्स लाल की जमीन :

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज-II, दिल्ली

तारी 21-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/II/नवम्बर-47/4545/

78-79 1925 अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड, मिविल लाइन्स, विजयनगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1979 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

6-186GI/79

1. श्री जानारदन हासन, सुपुत्र श्री हाजी मोहम्मद
ईसमाईल, 2, 5, 7 केनल रोड, मिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सावन कृपाल रूहानी मिशन सोसाईटी
श्री एस० एस० दुग्गल, के द्वारा 23/141, लोधी रोड
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 1170.835
वर्ग मीटर है, केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स,
विजय नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : नजफगढ़ नाला
पश्चिम : रोड
उत्तर : अशोका फैंटरी
दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की
जमीन।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू०/II/नवम्बर-46/4542/
78-79—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
289-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० 2, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाइन्स विजय नगर
नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद माबिर सुपुत हाजी मोहम्मद इजमाईल,
2, 5, 7 केनल रोड, सिविल लाइन्स, विजय नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. सावन कृपाल, रुहानी मिशन सोसाईटी,
श्री एस० एस० बुगल के द्वारा 23/141, लोधी रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका नं० 2, 5, 7 है और क्षेत्रफल 11,517 वर्ग
गज है, और केनल रोड, राजपुर गांव, सिविल लाइन्स, दिल्ली में
निम्न प्रकारसे स्थित है :—

पूर्व : नजफगढ़ नाला
पश्चिम : रोड
उत्तर : अशोका फैक्टरी
दक्षिण : सरकारी जमीन तथा श्री हरबन्स लाल की
जमीन :

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली

तारीख : 21-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/नवम्बर/75/4571/
78-79 यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 14/219-226 तथा 239 से 244 पोस्ट
ऑफिस स्ट्रीट, सदर बजार दिल्ली

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुति (अन्तरितियाँ) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाधा, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचना में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेठानी इन्द्रमणी जाटिया चेरीटेबल ट्रस्ट,
सेठ गंगा सागर की कोठी, जंकशन रोड,
खुर्जा (यू० पी०) (अन्तरक)
2. (1) रामेश्वर दत्त,
(2) श्री नरेन्द्र कुमार
(3) श्री जवाहरलाल
(4) श्री मदन मोहन,

सभी निवासी डी-13/5, माडल टाउन, दिल्ली
(अन्तरिती)

- (1) श्री किशन लाल दुकान नं० 219 तथा 220
- (2) श्री किशन लाल सुपुत्र श्री एशीराम दुकान नं० 221

सर्व श्री :

- (3) शियाम लाल तथा महेन्द्र नाथ दुकान नं० 222
- (4) बृज भूषण दुकान नं० 223
- (5) मै० अनिल कुमार यशपाल दुकान नं० 224 तथा 225

- (6) मै० किशोरी लाल कृष्ण कुमार दुकान नं० 226
- (7) मै० रामेश्वर दत्त नरेन्द्र कुमार दुकान नं० 239
- (8) श्रीचन्द तथा रामेश चन्द दुकान नं० 241
- (9) मदन लाल तथा अविनाश चन्द दुकान नं० 241/1
- (10) हेमराज कवर दुकान नं० 241/ए
- (11) अमर सिंह दुकान नं० 242
- (12) कुलवीर सिंह दुकान नं० 242/ए
- (13) हरबन्ध लालककर दुकान नं० 243/ए
- (14) हरीराम मकर तथा मधुसुदन दुकान नं० 243/1
- (15) कृष्ण लाल दुकान नं० 243
- (16) इन्द्रा कुमार तथा रघुबीरलाल दुकान नं० 244

पहली मंजिल :

- (1) मै० रामेश्वर दत्त नरेन्द्र कुमार दुकान नं० 240
- (2) बलबीर सरन दुकान नं० 240/1
- (3) हंसराज प्रोप्राइटर हंसराज एकर कं० दुकान नं० 240/2

- (4) अमर नाथ दुकान नं० 240/6, 7
- (5) मंगल सेन शर्मा दुकान नं० 250/8
- (6) किशन सिंह गलाटी दुकान नं० 240/5
- (7) रंजीत सिंह गलाटी दुकान नं० 240/4
- (8) ठाकुर सिंह दुकान नं० 240/3

दूसरी मंजिल :

- (1) मातादीन तीन कमरे नं० 240
- (2) सुखदेव एक कमरा नं० 240

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला बिल्डिंग जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और
नं० 14/219-226 तथा 239 से 244 तक, पोस्ट ऑफिस

स्ट्रीट, सदर बाजार, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जवाहर मार्किट
पश्चिम : पोस्ट आफिस स्ट्रीट
उत्तर : जयदास नं० 14/227 से 238 का हिस्सा
दक्षिण : खुशीद मार्किट

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली

तारीख 26-7-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एत०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/188/2073—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3620-21 है, तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म प्रकाश गुप्ता, पुत्र श्री आर० आर० गुप्ता निवासी 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली (अब 9 दरियागंज, नई दिल्ली)

(अन्तरक)

2. मै० विद्या बिल्डिंग्स प्रा० लिमिटेड, 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली इनके नोमिनी श्री सोमेश्वर खोसला पुत्र श्री डी० पी० खोसला निवासी बी-5/14, सफदरजंग इन्कलेव नई दिल्ली 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 30333 वर्ग गज जिस पर एक बिल्डिंग बनी हुई है, दरियागंज, एस्टेट, पुराना, पुलिस हटेशन, फौज बाजार, प्लॉट नं० 3, अब उसका नया नं० 3620-21, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-110002 में निम्न प्रकार से स्थित हैः—

उत्तर : दूसरे की प्रोपरटी

दक्षिण : दूसरे की प्रोपरटी

पूर्व : नेताजी सुभाष मार्ग

पश्चिम : गली

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज-II, दिल्ली

तारीख 28-7-79

मोहर :

प्रकट आई टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 10 मई, 1979

निर्देश सं० बी०जी०आर०डीएलआई/25/78-79—अतः
मुझे ई० के० कोशी सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन, रेंज, रोहतक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/6, मथुरा रोड, मेवला महाराज पुर है तथा
जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायबल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भग्न आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, डिपॉजिट में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती अभिनाश पूरी
(2) श्री खुशबन्त लाल बिग
2-सी, सानगर अपार्टमेंट्स,
6, तिलक नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मेसर्स नासर टेक्नोफैब्रिका प्रा० लि०
9-कर्जन रोड, कस्तुर्बा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

3. मेसर्स लार्ड्स टुल्स, (इंडिया) रजि०
जी० बी० रोड, दिल्ली
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अंतर्गत के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति जो 13/6, मथुरा रोड, मेवला महाराजपुर,
फरीदाबाद, में स्थित है और जो रजिस्ट्रेशन नं० 55 में दिया
गया है। जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली में के कार्यालय में है
18-11-78 को लिखा गया।

ई० के० कोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-5-1979

मोहर:

प्रकट आई. टी. एन. एम.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई, 1979

निवेश सं० पी० एन० पी० 8/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापर्टी सी० नं० 178 से 184 वार्ड, नं० 5 राजपूताना बाजार, है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाय अतुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री लछमन दास ज्योतिषी
निवासी पानीपत, राजघाट, कालोनी, देहली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ब्रह्मदत्त पुत्र श्री सुन्दर लाल
(2) श्रीमती हर देवी पत्नी श्री ब्रह्म दत्त
(3) श्री सुलेख चन्द } पुत्रान श्री ब्रह्मदत्त
(4) श्री नरेन्द्रकुमार }

है निवासी मकान नं० 177. वार्ड नं० 2, पानीपत।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री भगवान दास पुत्र श्री राम लाल
दुकान नं० 179/वार्ड, नं० 5, राजपूताना बाजार,
पानीपत।
(2) श्री छज्जूराम,
दुकान नं० 180/वार्ड नं० 5, राजपूताना, बाजार
पानीपत।
(3) श्री अमर नाथ पुत्र श्री मिलखी राम
दुकान नं० 181/वार्ड नं० 5, पानीपत।
(4) श्री जिया लाल पुत्र श्री राम चन्द्र
दुकान नं० 184/वार्ड नं० 5, पानीपत।
(5) श्री दयाराम पुत्र श्री राजेन्द्र सेन
दुकान नं० 184/वार्ड नं० 5, पानीपत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 178 से 184 तक जो वार्ड नं० 5 राजपूताना बाजार, पानीपत में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3219 तिथि 23-11-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 2-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक मोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई, 1979

निर्देश सं० के० एल० के०/3/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 654-जैड सी है, तथा जो कालका
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालका में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित सदेख्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थाओं, प्रस्तावित:—

1. सर्व श्री रामशेर सिंह
हरमिन्द्र सिंह पुत्रान श्री रिपुधमन सिंह
निवासी कालका ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती परोमिला पुरी पत्नी श्री बलराज पुरी
निवासी मकान नं० 654-जैड सी, कालका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति नं० 654-जैड सी जोकि कालका में स्थित है तथा
जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कालका के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक
685 तिथि 1-1-1979 पर दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-7-79
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 जुलाई, 1979

निदेश सं० के० एन० एल०/11/78-79—प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जुन रेंज, रोहतक

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सकान नं० 372 आर, माडल टाउन, है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री एम० एम० नागरा पुत्र श्री मर्दि राम
सकान नं० 269/16, चंडीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री वेदपाल, एडवोकेट, पुत्र श्री बिशान सिंह
निवासी करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 377-आर, माडल टाउन, करनाल तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 4182 तिथि 5-11-78 पर दर्ज है ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख 19-7-79

मोहर :

प्रारूप धार्डि० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निदेश सं० 11-334/अर्जन-79-80—अतः मुझे ज्योतिन्द्र
नाथ निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार,
पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 74, प्लॉट नं० 698 है, तथा जो
गारी रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1-11-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी इन या अन्य धार्डिस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
और अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था कि या विधान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

7-186GI/79

1. श्री प्रियकुमार नसु ठाकुर रिटायर्ड ले० कर्नल,
रांची।

(अन्तरक)

2. मेनर्स स्नेह कॉम्प्रेस्स लिमिटेड
द्वारा श्री गुधिनद्र नाथ राय, डायरेक्टर,
99ए, गरुड रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावेजों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हूँ कट्टा जमीन मय मकान जो गारी मुहस्ला रांची में
स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 698 खाता नं० 74 है और
जिसका पूर्ण विवरण जिला अवर निबन्धक रांची द्वारा निबन्धित
दस्तावेज सं० 8111 दिनांक 16-11-1978 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्रकुमार नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, पटना

तारीख 23-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई 1979

निर्देश सं० III-336/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ, निरीक्ष सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 722 बी, दो० नं० 213-बी है, तथा जो एकजीविशन रोड, पटना, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निम्न प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्त्रिक रूप में रुबिन नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, धियान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती मृदुला चन्द्र जोसे श्री निर्मल चन्द्र बाकर गंज, पटना ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ललिता देवी जोसे श्री एल० पी० शर्मा, मोहल्ला मुस्तानपुर थाना, दानापुर, पटना ।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स शर्मा ब्रदर्स पटना ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

600 वर्गफीट जमीन पर बना दुकान जो एकजीविशन रोड, पटना में स्थित है और जो पटना मु० कारपोरेशन के हौ० नं० 213-बी, प्लॉट नं० 722 बी, सैकिल नं० 9 वार्ड नं० 2 में है तथा जो जिला अवसर निबन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज सं० 7184 दिनांक 29-11-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 23-7-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निर्देश सं० III-337/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 722-बी, हो० नं० 213-बी है, तथा जो एकजीवीशन रोड, पटना में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. मुहुला चन्द्र जोड़े श्री निर्मल चन्द्र बाकर गंज, पटना (अन्तरक)
2. श्रीमती सुदामा देवी जोड़े श्री आर० बी० शर्मा, कंकड़ बाग, पटना (अन्तरिती)

3. मैसर्स शर्मा बदर्स, पटना ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

600 वर्ग फीट जमीन पर बना कुकान जो एकजीवीशन रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका प्लॉट सं० 722- बी (अंश) हो० नं० 213-बी सकिल नं० 9 बार्ड नं० 2 है और जिसका पूर्ण विवरण जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा निबन्धित दस्तावेज सं० 7183 दिनांक 29-11-78 में वर्णित है)

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 23-7-1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 23 जुलाई, 1979

निर्देश सं० -III-338/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 722 हो० नं० 213-बी है,
सं० नं० 9, है तथा जो एकजीवीशन रोड पटना में स्थित है
(इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुदामा देवी जोजे, श्री आर० बी० शर्मा
कंकड़ बाग, पटना (अन्तरक)
2. श्रीमती मृदुला चन्द्र जोजे, श्री निर्मल चन्द्र,
बाकरगंज, पटना। (अन्तरिती)
3. मैसर्स शर्मा ब्रदर्स, पटना।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

1380 वर्ग फीट पर बने दुकान मय जमीन जो एकजीवीशन
रोड, पटना में स्थित है और जिसकी हो० नं० 213-बी,
प्लॉट नं० 722 बी, सर्किल नं० 9 वार्ड नं० 2 पटना मु० कारपो-
रेशन तथा जिसका पूर्ण विवरण जिला अन्वितर बन्धक पटना
द्वारा निबन्धित दस्तावेज संख्या 7182 दिनांक 29-11-78 में
वर्णित है।

ज्योतीन्द्रनाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, बिहार, पटना

तारीख : 23-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार

पटना दिनांक 23 जुलाई, 1979

सं० III-339/अर्जन/79-80/—अतः मुझे जे० नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्किल नं० 15 हो० नं० 96 वा० नं० 6, प०
नं० 58 है, तथा जो मन्जी बाग, पटना में स्थित है) और इससे
उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक कर में रुचि नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जबतक :—

(1) श्री मो० सुल्तान अहमद वलद हकीम मोहम्मद अहमद,
मखनियां कुआं रोड, पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री मो० खुरशीद आलम ,

मो० आफताब आलम अल्पवयस्क

मो० फयाज आलम अल्प वयस्क

वलद मो० सेराजुल हक,

ग्राम—किशुन दास, थाना—दरिया पुर,

जिला सारन ।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री राबिन शा पुष्प

2. एम० आर० जमन "अजाजी"

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्तासारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

38½ कड़ी जमीन पर बना एक दो मंजिला मकान जो
सन्जीबाग, पटना में स्थित है और जिसका सर्किल नं० 15 हो०
नं० 96, वार्ड नं० 6, स्थानिसिपल सर्वे प्लॉट नं० 58 है तथा जो
जिला अवर निबन्धक पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज सं० 7181
धि० 29-11-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है ।

(ज्योतीन्द्र नाथ)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 23-7-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जून, 1979

सं० पी०आर०-682/एसी क्यू० 23-1400/6-1/78-79—

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 105 प्लॉट नं० 14 आनंद नगर है।

तथा जो जेतलपुर रोड, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पटेल शंकरभाई डाह्याभाई
अबोदा, आनंद तालुका,
खेडा जिला (अन्तरक)

(2) श्री छगनभाई पुरुशोत्तमदास पटेल
14, आनंद नगर,
जेतलपुर रोड, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो "आनंद नगर" प्लॉट नं० 14 सर्वे नं० 105 जेतलपुर में स्थित है जैसा कि 13-11-1978 को रजिस्टर किये गये विक्री दस्तावेज नं० 5279 में प्रदर्शित है।

(एस० सी० परीख)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, II, अहमदाबाद

तारीख: 1-6-1979।

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जर रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जून, 1979

सं० पी० आर० 685/एसीक्यू० 23-1401/601/78-79-

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 18, सुभानपुरा, प्लॉट नं० 29, अमर कुंज सोसायटी है तथा जो रेस कोर्स सर्कल, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच एक घन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण विधि का वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किंदा पार की जावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूत्रिणा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री विनोद चन्द्र मूलजीभाई पटेल
मांडवी, बड़ोदा। (अन्तरक)
- (2) श्री जे० सी० बारोर,
29, अमर कुंज को० आ० हा० सोसायटी,
रेस कोर्स, सर्कल,
बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो प्लॉट नं० 29, अमर कुंज को० आ० हा० सोसायटी रे० सं० नं० 18, सुभानपुरा, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि 16-11-1978 को रजिस्टर किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 5294 नं० में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जर रेंज-II अहमदाबाद।

तारीख : 2-6-1979।
मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई, 1979

सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1982 (826)/18-2/
78-79—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 705 सीटी वार्ड नं० 1
तथा सीटी सर्वे नं० 712 है तथा जो भलगामडा दरवाजा
के पास तथा परजीया फुवा के पास, लीमडी में स्थित है
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लीमडी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
बिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

(1) श्री निर्मल कुमार प्रितमलाल दफ्तरी, श्री मुगुर
लाल केशवलाल कामदार के पावर ऑफ अटोनी
होल्डर, 407, विमल सोसायटी, बाणगंगा,
बम्बई-6। (अन्तरक)

(2) श्री वीलीप कुमार जामसींह वाघेला, मृत श्रीमती
मायाकुंवरबा राणा श्री आपलभाई जिवाभाई की
पत्नी—स्वयं तथा सगीर एकुमा बापालाल की माता—
के वाली पत्नी—गांव मटीज, तालुका लीमडी, जिला
सुरेन्द्रनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ईमारत जिसका सीटी सर्वे नं० 705 सीटी वार्ड नं०
1 तथा सीटी सर्वे नं० 712 जो 563.31 वर्ग मीटर तथा
18.37 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली, जमीन पर खड़ी है जो
भलगामडा के दरवाजा तथा परजीया फुवा के पास, कोठारी/
गेरी, लीमडी में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 1465
21-11-1978 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लीमडी द्वारा
रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें
दीया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 6-7-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० एम० 23-1-1963 (827)/16-6/78-79—अर्ज. मुझे एम० सी० परीख प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 443 चैकी प्लॉट नं० 2-एण्ड 3 है तथा जो कालावाड रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8--186GI/79

(1) सुशी एम० ज्योर्ज, पता आर० के० सी०, राजकोट (अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार आई भट्ट, तथा राजेन्द्र कुमार आई भट्ट, बीलखा गड़म, कालावाड रोड, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 443 चैकी प्लॉट नं० 2-ए०-3 है जिसका क्षेत्रफल 875-1-0 वर्ग गज है जो कालावाड रोड राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 4693 ता० 23-11-1978 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-7-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

**घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निर्देश नं० ए० सी० परी० 23-1-1981 (831)/
16-7/78-79—अतः मुझे, एम० सी० परी०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सर्वे नं० 217-1 पैकी दोन खेती विषयक
जमीन प्लॉट 6056-2-6 वर्ग गज तथा 1694-4-0 वर्ग
गज रोड के लीये है तथा जो उपलेटा, जिला राजकोट में
स्थित हैं (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित हैं), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिन 18-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लक्ष्मण शामराज सोसायटी, गीरापा प्लॉट
उपलेटा, जिला राजकोट (अन्तरक)
- (2) श्री विनोदराय पी० परमार, श्री बीर न को०
ग्रो० गं० सो० लिमिटेड, उपलेटा, के प्रेसिडेंट,
जिला राजकोट (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 217-1 पैकी कृषीतर जमीन
का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 6056-2-6 वर्ग गज तथा रोड
के लीये, 1694-4-0 वर्ग गज जमीन जो उपलेटा, जिला
राजकोट में स्थित है तथा बीक्री दस्तावेज नं० 1178/
18-11-78 में रजिस्ट्रार अधिकारी, उपलेटा द्वारा रजिस्टर्ड
किया गया है याने प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया
है।

एम० सी० परी०
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद,

तारीख : 20-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 मई 1979

निर्देश सं० 886—यतः, मुझे, बि० बि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 104-1/ए० बी० सी० है, जो नदिमवालेम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

(1) श्री जयलक्ष्मी जिन्निग हन्डस्ट्रीज गुंटूर (अन्तरक)

(2) श्री थॉमिडाला अदर्म लिमिटेड गुंटूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-11-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5320/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० बि० सुब्बाराव,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 14-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 17 मई 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

निर्देश सं० 887—यतः मुझे बि० वि० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 159/2 है जो विजयवाड़ा में उपस्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धरा, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 15-11-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5105/78 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख : 17-5-1979
मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 30 मई 1979

निर्देश सं० यतः मुझे बि० बि० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-33 है, जो गुंटूर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन वा धन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | | |
|---------------------------|-----------------------------|--------------|
| (1) 1. श्री ए० | वेंकटाकृष्णाराव | 2. श्री ए० |
| | श्रीनिवासाराव गुंटूर | (अन्तरक) |
| (2) श्री के० | मरयादामु गुंटूर | (अन्तरिती) |
| (3) मँसर्स स्टेट ट्रेडिंग | कार्पोरेशन गुंटूर | (बहु व्यक्ति |
| | जिसके अधिभाग से संपत्ति है) | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 30-11-78
में पंजीकृत दस्तावेज 5585/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

बि० बि० सुब्बाराव,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, काकीनाड़ा

तारीख: 30-5-1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री डि० श्रीरामुलु विजयवाडा (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जि० राजाप्रसन्नलता विजयवाडा
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जून 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पत्र में तो श्री धामेरा :-

निर्देश सं० 889—यतः मुझे वि० वि० मुख्ताराव,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 29-25-4 है, जो विजयवाडा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकांश के कार्यालय, विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 6-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
ई, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत
15-11-1978 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 5057/78 में नियमित
अनुसूची सम्पत्ति।

वि० वि० मुख्ताराव,
सक्षम अधिकारी.

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेज, काकीनाडा

तारीख : 7-6-1979

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री श्रीमफ मत्तायी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) डा० जॉस कुट्टी (अन्तरिणी)

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० एन० सी० 301/79-80—यतः मुझे, के नारायणा मेनोन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय मीनच्चिल में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशियाँ प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से तय की गई हैं।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-अरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी पात्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रयुक्त होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21 cents of land with buildings in Sy. No. 17/2/3 of Pala Municipality.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिका री,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 13-6-1979.
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलाम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 जून 1979

निवेदन सं० एल० सी० 303/79-80—यतः मुझे, के०
नारायणा मेनोन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कासरगेड में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कासरगेड
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 29-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य साक्षियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किवा जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविवरणों, यथातः :—

- (1) (1) श्री बलसावर शिवरावू (2) बलसावर सन्जीवरावू
(3) बलसावर वेणुगोपाल रावू (4) बलसावर
श्रीकार रावू (5) बलसावर जयराम (सब
गोपाल गेकुण्ण रावू के द्वारा (अन्तरक)
- (2) श्री एस० एम० बहादुर (अन्तरिती)
- (3) मानेजर विजया बैंक कासरगेड (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

10-12 ares of land with buildings in R. Sy. Nos. 42-15
and 42-19 of Kasaragod village.

के० नारायणा मेनोन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, एरणाकुलाम

तारीख : 19-6-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० ए० एब्रहाम एण्ड हवाम्मा
(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन्-16, दिनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० एल० सी० 306/79-80—यतः मुझे, के० नारायणा मेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पेरुम्बावूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरुम्बावूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक में, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-186GI/79

(2) श्री पी० एन० आर० अषफ (2) श्री पी० एम० आर० रोक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन में लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12 cents of land with buildings in Sy. No. 305/3/3 of Perumbavoor Village.

के० नारायणा मेनोन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० एक० सी० 307/79-89—यतः मुझे,
के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरुमेली विल्लेज में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान्जिरपल्ली में भार-
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 1-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बादिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एन० एफ० चाक्को (2) मेरी चाक्को (3)
श्री० पी० एब्रहाम (4) मिरियक वेल्लापल्ली (5)
पी० जी० पोल

(अन्तरक)

(2) श्री के० बी० कुरियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

21 acres of rubber estate with buildings in Erumeli Village
as per schedule attached to document No. 4383/78 dt.
1-11-1978 of SRO, Kanjirapally.

के० नारायणा मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-7-77

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 10 जलाई, 1979

निदेश सं० एल० सी० 308/79-80—यतः मुझे के०
नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पेरुमेली विल्लेज
में स्थित है (और इससे उपाययन्त्रानुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कान्थिरपल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
1-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वध-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए वा; छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातु :—

(1) श्री एन० एफ० चाक्को (2) श्री० पी०
एअहम (3) पी० जी० पोल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोस कुरियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

19 acres of Rubber estate with buildings as per schedule
to document No. 4382/78 dated 1-11-1978 of SRO, Kariji-
rappally.

के० नारायणा मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-7-1979

मोहर :

प्राकृत भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 10 जुलाई 1979

निर्देश सं० एल० सी० 309/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कानन्नूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानन्नूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री ए० पी० राजामणी (2) श्री मनोज (3) श्री रजिता, श्री पी० के० पुरुषोत्तमन के द्वारा (4) श्री हीरा (अन्तरक)

(2) श्री पी० श्रीधरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3rd sight over the property as per schedule attached to document No. 2333/1-11-1978 of SRO, Cannannore.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-7-1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 जलाई 1979

निदेश सं० एल० सी० 310/79-80—यतः मझे के० नारायण मेनोन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कानन्नूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानन्नूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पोलेरी सरोजिनी

(अन्तरक)

(2) श्री वण्णरकूल कल्लिलिल श्रीधरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

80 cents of land with building in Cannannore as per schedule attached to document No. 2542/78 of SRO, Cannannore.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 11-7-79

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पी० आर० बालकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) इस्लामिया एसोसिएशन (के० सी० अब्दुल्ला के द्वारा)

269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० एल० सी० 311/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनोन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-1978

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

7.340 cents of land with buildings in Ernakulam Village as per Doc. No. 3498 of SRO, Ernakulam.

के० नारायणा मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षाव :—

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल/1283/79-80/
—अतः मझे डी० सी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 32 है जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

1. (1) श्री फकरुद्दीन (2) श्री ताहिर अली दोनों
पुत्र श्री मोहम्मद अली बोहरा, बोहरा बाखान, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नजर हुसैन (2) श्री इनायत हुसैन पुत्र
श्री हाजी जीना खान भाई बोहरा 32, सियागंज मेन रोड
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से, 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

मकान नं० 32 रकबा 1672 बर्गफुट सियागंज मेन रोड,
इन्दौर।

सी० डी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-6-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जून 1979

निर्देश सं० आई ऐ सी/एक्वी/भोपाल/1284/79-80— अतः
मझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 17 है, तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वक्तापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. (1) श्री मसी हफीजाबाई पत्नी श्री सुराब अली
(2) श्रीमती जकिया बाई पत्नी श्री इनायत हुसैन 72, बोहरा
गली मेन स्ट्रीट डा० खोसला मार्ग, महु।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कंचनबाई पत्नी श्री अम्बा लाल जी 17/2,
सिया गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान नं० 17 रकबा 1274 वर्गफुट स्थित
सियागंज, इन्दौर।

डी० सी० गोयल
तक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 28-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई ऐ सी/एम्बी/भोपाल-1285/79-80—

अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो सिलगांव, खुरई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्तातुः—
10—186GI79

1. श्रीमती मावित्रीबाई पत्नी श्री रवि दत्त शर्मा, ग्राम सिलगांव तह० खुरई जिला सागर।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सन्ध्या देवी पत्नी श्री अरुणोदय चौख
व (2) श्रीमती मुशीला देवी पत्नी पं० आर० सी० भार्गवा
ग्राम—सिलगांव तह० खुरई जिला सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 17/1 रकबा 41.7 एकड़
(16.687 हेक्टेयर्स) स्थित ग्राम—सिलगांव तह० खुरई।

डी० सी गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 2-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई ऐ सी/एक्वी/भोपाल-1286/79-80—

अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रतीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो कटनी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कटनी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री खुशीराम काकवानी पुत्र श्री हीरानन्द काकवानी,
सावरकर बाई मुड़वाड़ा (अन्तरक)

2. (1) लक्ष्मणदास पुत्र श्री भगवान दास (2) श्रीमती
रुकी बाई विधवा पत्नी श्री भगवान दास कुंभी, गुरुनानक बाई,
मुड़वाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 249 का भाग, गुरुनानक बाई, मुड़वाड़ा
(कटनी) ।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1287-अतः,
मुझे डी सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब को उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूरनचन्द पुत्र श्री करलू राम जी जैन 10/17,
साउथ तुकोगंज इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री नरोत्तम लाल (2) श्यामलाल (3) राजेन्द्र
कुमार (4) सुमति कुमार सभी पुत्र श्री भागीरथ जी गुप्ता
28 राजवाड़ा चौक, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 पर बना मकान, मकान नं० 17, साउथ
तुकोगंज, इन्दौर।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई ऐ सी/एवी/भोपाल 79-80/1287—

अतः मुझे डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिम की गई है और भले यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कृत्रिम नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
आयिर्ष में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम लाल जी पुत्र श्री हीरा लाल जी जयसवाल
493, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्दा बाई पत्नी श्री शान्ति लाल जी चौरडिया,
चांदनी चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट माप 6350 वर्ग फुट मिल निवास रोड,
रतलाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०/भोपाल/79-80/1287-
अतः/, मुझे, डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विश्वकर्म पुत्र श्री श्रीधर कर्म, 44, वासुदेव नगर,
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार शिवलाल जी रूबी 62/41, वीर
सावरकर मार्केट, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वरूपाकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची 5

मकान नं० 48, वासुदेव नगर, इन्दौर।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवकी०/भोपाल/79-80/
1270—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है और
इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० गोकुलदास पुत्र श्री गुलाब चन्द 28-बी-बिल्डर्स
कालोनी, इन्दौर
(अन्तरक)

2. श्री सरदार गुलजार सिंह पुत्र सरदार बलवन्त सिंह
गिल, 14/5, रवीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28-बी, बिल्डर्स कालोनी बाई नं० 8,
इन्दौर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एडवो/भोपाल/79-80/1291—यतः, मुझे. डी० सी० गोयल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्धान्त पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किय जाना चाहे कि, दिमाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन ननिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कुमार भार्गव पुत्र श्री स्थ० श्याम सुन्दर भार्गव बंगला नं० 54, नर्बदा रोड, रामपुर जिला जबलपुर । (अन्तरक)

2. महर्षी चेतना विज्ञान संस्था (म० प्र०) महर्षी इन्स्टीट्यूट आफ क्रियोटिव इन्टेलीजेन्स द्वारा श्री प्रफुल्ल श्री वास्तव जनरल सैक्री रामनिवास मोहर बाग, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान "पारस" नाम से प्रसिद्ध बियरिंग नं० 54 खसरा नं० 50/2 साथ भूमि स्थित नर्बदा रोड, रामपुर ग्वार्ड घाट, जबलपुर।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल कार्यालय
 भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80/
 1292—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रामपुर में स्थित है (और
 इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1979
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
 लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स श्री लक्ष्मी सा मिल्स, फाफाडिह, रामपुर
(अन्तरक)
2. मैसर्स श्री दयाल सा मिल्स, फाफाडिह, रामपुर
(अन्तरिती)
3. मैसर्स यूनाइटेड स्टायर्स प्रा० लि० रामपुर
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट माप 42,250 वर्ग फुट (3932 वर्गमी०)
 विवरण खसरा नं० 277/1, ब्लॉक नं० 149/349 प्लॉट नं०
 108 फाफाडिह, रामपुर।

डी० सी० गोयल
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 3 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्सी०/भोपाल/79-80/1293—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रामपुर में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिषों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11-186GI/79

1. (1) श्री मुरली धर पुत्र श्री हरदेव जी व्यास जोधपुर,
(2) श्री पद्मनाभ पुत्र श्री धन राज व्यास जगदलपुर (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सरलादेवी चांडक पत्नी श्री जयनारायण चांडक
(2) कुमारी रामा चांडक (अव्यस्क),
(3) संजय चांडक (अव्यस्क),
(4) कुमारी छाया चांडक,
(5) श्री वल्लभदास जी चांडक,
(6) श्री श्रीम प्रकाश चांडक, फाफाडिह, रामपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित बाई नं० 7, फाफाडिह, रामपुर (खसर नं० 277/1, 277 और 248)।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79/80/1274—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1978 को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्च प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं प्राय या किन्हीं घन या अन्य भास्तिथियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीमन्त महाराजा लोकेन्द्र सिंह जी पुत्र स्वर्गीय सज्जन सिंहजी, रतलाम
(अन्तरक)

2. श्री रतन कुमार जी पुत्र श्री पुनमचन्द जी गांधी, न्यू रोड, रतलाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्ने कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

एक मंजिला मकान (गोदाम) रकबा 4248 वर्ग फुट
'रंजीत विलास' बगिचीबाना, घंटा घर रोड, रतलाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80/1275—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

1. श्री श्रीमन्त सहाराजा लोकेन्द्र सिंह जी पुत्र स्व० श्री सज्जन सिंह जी, रतलाम
(अन्तरक)

2. श्री मीती चन्द जी पुत्र श्री नेमीचन्द जी जीन्दाजी त्रिपोलिया दरवाजा, रतलाम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसमें तीन गोदाम रकबा 4248 वर्ग फुट रंजीत बिलास, बग्गी खाना, घंटाघर रोड, रतलाम।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1276—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत :—

1. श्रीमती बिजया पत्नी श्री कैशव फड़के प्लेट नं० 32 माला 8 अम्बर बिल्डिंग 13/2 एम० जी० रोड, (तुर्कागंज) इन्दौर

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर क्षमनानी पुत्र श्री होतल दास जी क्षमनानी, 8, बक्षी कालोनी, सदर बाजार, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27, रकबा 3840 वर्गफुट, प्रकाश नगर, बक्षी कालोनी, ऐक्सटेन्शन, इन्दौर।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-7-1979

मोहर :

प्रमाण आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/
1277—प्रतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भाटापारा में स्थित है और इसमें उभावद्ध अनुपुत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भाटापारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-11-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री रनछोर भाई पुत्र श्री धीर जी,
(2) पोटल लाल,
(3) छगन लाल
(4) अमृत लाल सभी पुत्र श्री रनछोर लाल,
भाटा पारा, जिला रायपुर

(अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल पुत्र श्री लखीराम अग्रवाल,
गंकर बाड़ी, भाटा पारा, जिला—रायपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोक्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट व मकान पी० एच० नं० 25, गांधी मन्दिर बाईं स्थित ग्राम हथनी, भाटापारा जिला रायपुर।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकसी०/भोपाल/79-80/
1297—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री मोती लाल जी लूकड़ शाह गंज,
तह० बुधनी जिला सिहौर

(अन्तरक)

2. श्री बाबू लाल पुत्र काबू राम जी गोयल मोतिया पार्क,
भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
को पर्य्य होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री मंजिला मकान रकबा 1679 वर्ग फुट मकरसा जहांगीरीया
स्कूल के पास, मोतिया पार्क, भोपाल।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/
1278—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनको सं० प्लॉट है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
तब नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शमीम बानो पति श्री एम० ए० फरकी
खवासपुरा शाहजानाबाद द्वारा पावर आफ एटर्नी
श्री इकबाल हुसैन कदमई, ईदगाह हिल्स, भोपाल
(अन्तरक)

2. श्री डा० नायाब हुसैन पुत्र स्व० श्री महताब हुसैन
प्राफेसर्स कालोनी, भोपाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट माप 4550 वर्गफुट बियरिंग नं० 150 खसरा
नं० 102 के० अलावा, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख: 7-7-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12-जुलाई 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनवी०/भोपाल/79-80/1300---यतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-11-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री रवीन्द्र कुमार ऋषि पुत्र श्री जगदीश चन्द्र ऋषि, भिविन लाहन्म, विनायपुर वर्तमान निवासी ए-54 कैलाश कालोनी नई दिल्ली द्वारा पिता व एडर्नी श्री जगदीश चन्द्र ऋषि पुत्र श्री गणेश दास, ए-54 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मास्टर राजकुमार सकलेशा अवयस्क द्वारा माता व अभिभावक श्रीमती चेतन कुमारी सकलेशा पुत्री श्री हर्ष चन्द जी सुराना छोटी घाटी जाबद जिला मन्धसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्रमांक ए-4 का दक्षिणी भाग (खसरा क्रमांक 1426 का भाग) माप 5000 वर्गफुट स्थित विद्या बिहार, बालगंगा, भोपाल।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, भोपाल

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० लुधियाना/124/78-79—यतः, मुझे, जी०
पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग प्लॉट नं० 45-बी, जिसका
क्षेत्रफल 266.2/3 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रीअल एस्टेट,
लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री मदन गोपाल पुत्र श्री अछूत राम भल्ला व श्री
धर्म प्रकाश भल्ला पुत्र श्री मुन्शी राम भल्ला द्वारा
मुखनार ग्राम श्री सुधीर कुमार भल्ला पुत्र श्री धर्म
प्रकाश भल्ला वासी 25-26, ग्रीन पार्क, लुधियाना
(अन्तरक)

3. मैसर्स साधू सिंह दुआ व कम्पनी, द्वारा श्री भूपिन्दर सिंह,
हिस्सेदार 45-बी, इंडस्ट्रीअल एरिया, लुधियाना
(अन्तरिती)

3. श्री दर्शन लाल वासी प्लॉट नं० 45-बी, इंडस्ट्रीअल
एस्टेट, लुधियाना (वह) व्यक्ति, जिसके अधिमोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग प्लॉट नं० 45-बी, जिसका क्षेत्रफल
266.2/3 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रीअल एस्टेट, लुधियाना
में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 3106, नवम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० चंडीगढ़/237/78-79—यतः, मुझे, जी० पी०

मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 836, सेक्टर 16डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविकता से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी भाव का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तिशो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार चन्द चीमह पुत्र श्री राम वित्तामल, वासी 145-सी, माडल टाउन, पटियाला (अन्तरक)
2. श्री एल० सी० कपूर पुत्र श्री फतेह चन्द वासी मकान नं० 6 सेक्टर 7-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)
3. श्री एम्० आर० वर्मा (रटायर्ड मेजर) मारफत दिल्ली एटोमोमोबिलिज, इंडस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के धार्या 2-क में यथा परिभाषित है वही भवें होगा, जो उक्त धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 836, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(जाएदा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 647, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० मिह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/244/78-79—यतः, मुझे, जी०
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 343, सैक्टर 15-ए है, तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गिरवारी लाल पुत्र श्री कुन्दन लाल वासी मकान नं०
343, सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. श्री विश्वा मित्र शास्त्री पुत्र श्री बी० एन० शास्त्री वासी
मकान नं० 735, सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 343, सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़।

जाएदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 680, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/200/78-79—यतः, मुझे, जी०
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1622/2, 1623/2 व 1624/2
है, तथा जो पुरानी कोतवाली चौक, पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बेमे के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में मूढिषा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किंमत घन या पथ्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनांश
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिषा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थन :—

1. (1) श्रीमती सुभद्रा देवी विधवा श्री नारायण दाम,
- (2) श्रीमती कृष्णा धवन,
- (3) श्रीमती शशी सेठ,
- (4) श्री पवन कुमार,

(5) श्री सरवन कुमार,

(6) श्री सतीश कुमार, सारे पुत्रियां व पुत्र श्री नारायण
दास वासी मकान नं० 213, जौरीयां भाटियां,
पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोमिला अग्रवाल पत्नी श्री वरिन्द्र अग्रवाल
वासी 4145/2, मोहल्ला साईगिरां, पटियाला
(अन्तरिती)

3. (1) श्री आर० सी० सहजल स्टेशनरी मर्चेन्ट,
(2) श्री वरिन्द्र अग्रवाल,
(3) श्री भाई प्रकाश सिंह शमशेर सिंह, बुक सेजर,
(4) श्री जोगिन्द्र सिंह, टी स्टाल,
सारे वासी दुकान सं० 1622/2, 1623/2 व
1624/2, पुरानी कोतवाली चौक, पटियाला
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान सं० 1622/2, 1623/2 व 1624/2 जो पुरानी
कोतवाली चौक, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 4778, जनवरी, 1979 में दर्ज
है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/260/78-79--प्रतः, मुझे, जी०
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 852.1/2 वर्ग गज
है, तथा जो सामने पोली ग्राउंड राजवाहा रोड, नजदीक मोदी
कालेज, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सजान सिंह पुत्र महनाव सिंह वासी सामने पोली
ग्राउंड, राजवाहा रोड, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती रविन्दर कौर पत्नी श्री रिपुदमन सिंह वासी
सामने मोदी कालेज, पटियाला

(अन्तरिती)

3. श्री रिपुदमन सिंह सेठी पुत्र भोपाल सिंह सामने मोदी
कालेज, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० बी-17/423, जिसका क्षेत्रफल 852.1/2
वर्ग गज है और जो सामने मोदी कालेज, पटियाला में स्थित
है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5615, फरवरी, 1979 में दर्ज
है) ।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/269/78-79—यतः, मुझे, जी०
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 74-बी/2, माडल टाऊन है, तथा
जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
18) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सरन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी 84-मस्जिद
रोड, नई दिल्ली-110084।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तेजिन्दरपाल कौर पत्नी श्री जगतेश्वर सिंह
वासी 6-रीवर डार्डवर सोसाइटी, अडाजन रोड, सूरत
(गुजरात)

(अन्तरिती)

3. दी कनकरमेशन सेक्शन, पंजाब स्टेट बिजली बोर्ड,
मकान नं० 74-बी/2, माडल टाऊन पटियाला
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 74-बी/2, माडल टाऊन, पटियाला।

(जायेदाद जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5738, फरवरी, में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रकाश सं० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़ 0238/78-79—यतः, मुझे, जी०
पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3261, सैक्टर 27-डी है, तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्निर्वा द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना बाढ़ित था, विधान में कथित के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :—

1. श्री सुन्दर लाल सिंहगल पुत्र श्री मथुरा दास सिंहगल,
वासी मकान नं० 3261, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल चावला पुत्र श्री बख्तु राम चावला व
श्रीमति प्रेममरी देवी पत्नी श्री रोशन लाल चावला,
वासी, एस० सी० एफ० नं० 35, सैक्टर 20-सी,
चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

1. (1) श्री देवी बयाल,
 - (2) श्री जतिन्दर सिंह,
 - (3) श्री सुरेश चन्द सिंगला,
 - (4) श्री इन्दर जीत सिंह,
 - (5) श्री तिलक राज सबरवाल,
 - (6) श्री मुनील जैन,
 - (7) श्री के० सी० बजाज,
 - (8) श्री सिकन्दर लाल,
 - (9) श्री मदन लाल सेगल व
 - (10) श्री अमृत लाल रसतोही,
- सारे वासी 3261, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ (वह
व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बोध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कान नं० 3261, सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़

(जायदाद जैवकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 649, नवम्बर, 1978
में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/240/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18-डी, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में शामिल करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मुनदो लाल गंग पुत्र श्री लच्छमी नारायण, वासी मकान नं० 1629, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री भगवान दास पुत्र श्री लटकन राम, वासी एस० सी० ब्लाक, नं० 10, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)
3. मैसर्स अशोक स्वीट्स एम्० सी० एफ० नं० 7, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त पंक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— सर्वे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० एफ० सं० 7, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 653, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० चण्डीगढ़/241/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सि, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1007, सैक्टर 21, है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—186GI/79

1. श्रीमती अमर कौर विधवा स्व० श्री धर्म सिंह, वासी मकान नं० 368, माडल टाऊन, पानीपत

(अन्तरक)

2. श्री एस० एम० सोहन पुत्र श्री बलीप सिंह सोनी वासी मकान नं० 273, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली-110048

(अन्तरिती)

3. पंजाब स्टेट कोपरेटिव ट्रेडिंग इन्स्टीट्यूट, मकान नं० 1007, सैक्टर 21 बी, चण्डीगढ़ (व व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 1007 सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 654, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/165/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रावधानों को देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बूजलाल गुप्ता पुत्र श्री जीवा राम व श्रीमती तारावती पत्नी श्री बूज लाल गुप्ता वासी तफजलपुरा, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्री अनोख सिंह संधू पुत्र श्री अर्जन सिंह संधू व श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एम० संधू, एम० डी० ओ० पंजाब राज बिजली बोर्ड, लुधियाना

(अन्तरितियाँ)

को पत्र सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के रूप में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4045, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० पटियाला/164/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी है, तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इव या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वृज लाल गुप्ता पुत्र श्री जीवा राम व श्रीमती तारावती पत्नी श्री वृज लाल बासी तफजलपुरा, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एस० संधू, एस० डी० ओ० पंजाब स्टेट बिजली बोर्ड, लुधियाना व श्री मनोख सिंह संधू पुत्र श्री अर्जन सिंह संधू, एस० डी० ओ० बिजली बोर्ड, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी का भाग जो तफजलपुरा, नजदीक गुरु नानक कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4044 नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० नाभा/79/78-79—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 15 बीघे जो गांव जातीवाल तहसील नाभा है, तथा जो खसरा न० 234/0.6/232/6.5 233/4.3 241/1.6 241./3.0 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मेला सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव जातीवाल तहसील नाभा

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह सुपुत्र श्री खेम सिंह गांव जातीवाल तहसील नाभा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघे जो कि गांव जातीवाल तहसील नाभा में है।

(आयेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के विलेख नं० 1811 नवम्बर 1978 में दर्ज है)।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 8 जुलाई, 1979

निर्देश सं०

—अतः मुझे ई० जे० मलवंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दागन० 323 न्यूतन पट्टा नं० 6 है, तथा जो शान्ती पाड़ा, न्यूतन अमला पट्टीवाड़, डिब्रूगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय डिब्रूगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1 (1) श्री अमूल्य रतन नाग
के० आफ स्व० मोहिनी मोहन नाग
- (2) श्रीमती रेनुका नाग
स्व० मुधीर कुमार की पत्नी
- (3) श्री अधीर कुमार नाग
के० आफ स्व० मोहिनी मोहन नाग,
शान्तीपाड़ा, डिब्रूगढ़, असम।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमर घोष,
- (2) श्री मानीक घोष,
- (3) श्री स्वप्न कुमार घोष,

यह सब लड़के श्री अमूल्य चन्द्र घोष शान्ती पाड़ा,
डिब्रूगढ़ का है।

(अन्तरिती)

3. जमीन दाखिलकारी व्यक्ति (1) श्री परेश नन्दी, प्रो०
प्रा० स्टेशनरी सौप न्यूतन बाजार, डिब्रूगढ़।

- (2) श्री बी० आर० दास,
सहायक शिक्षक रेलवे स्कूल शान्ती पाड़ा,
डिब्रूगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 कट्टा, 16 (सोलह) लक्षा, उसके साथ दो असम टाइप माकान अनुमाप 800 एस्कवायर फीट एवं दो रसोई घर, अनुमाप 320 एस्कवायर फीट शान्ती पाड़ा, थर्ड लेन, डिब्रूगढ़, टाउन, असम में अवस्थित है।

ई० जे० मलवंग

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, शिलांग

तारीख : 8-7-1979

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th July, 1979

N. F. 2/79-SCA(I) :—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of 23rd July, 1979 and appointed them substantively to the post shown against each :

S. No.	Name	Present post held	Post in which confirmed
1. Shri H. S. Munjral		Offg. Deputy Registrar	Assistant Registrar
2. Shri. A. S. V. Raghavan		Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
3. Shri R. S. Suri		Offg. Principal Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India.	Assistant Registrar
4. Shri R. R. Kumar		Off. Assistant Registrar (Presently on Deputation)	Assistant Registrar
5. Shri S. S. Pathania		Offg. Section Officer	Section Officer
6. Shri C. Robinson		Offg. Section Officer	Section Officer
7. Shri H. S. Kapur		Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge.	Private Secretary to Hon'ble Judge.
8. Shri G. K. Batra		Offg. Court Master	Court Master
9. Shri V. K. Thapar		Offg. Section Officer	Section Officer

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th July 1979

No. A.12026/1/79-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Y. R. Gandhi, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Administrative Officer in the Commission's office on *ad-hoc* basis for a period of three months w.e.f. 10th July 1979 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Gandhi will be on transfer on deputation basis and his pay will be regulated in terms of the Ministry of Finance OM No. F.10(24)-E.III/60, dated 4th May 1961 as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 30th June 1979

No. P-1150/Admn.II.—Consequent upon his qualifying the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1977, conducted by the U.P.S.C. and being nominated to the cadre of the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation (Department of Commerce) it has been decided to place the services of Shri M. L. Khanduri, a permanent P.A. (Grade C of the CSSS) and officiating SPA (Grade B of the CSSS) who was working as Section Officer on loan basis in the office of the Union Public Service Commission, with the Department of Commerce.

2. Shri M. L. Khanduri has been granted 30 days earned leave w.e.f. 2nd July 1979 to 31st July 1979. On the expiry of his leave Shri Khanduri will report direct to the Department of Commerce on 1st August 1979.

The 9th July 1979

No. P/1526-Admn.I(Vol.II).—Consequent upon his reversion from the Commission of Inquiry on Maruti Affairs, Shri N. K. Prasad, Selection Grade Officer of the CSS, assumed charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission w.e.f. the afternoon of 30th June 1979.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 23rd July 1979

No. A-19020/1/78-Ad.V.—On his return from the training, under the Colombo Plan in U.K. in Programme of Studies in Public Administration at the Department of Administrative Studies for overseas visiting fellows at the University of Manchester, on the forenoon of 12th June 1979, the services of Shri G. P. Pilania, IPS (1955-Rajasthan), Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment have been placed back at the disposal of Government of Rajasthan with effect from 12th June 1979.

S. K. JHA
Dy. Director (Admn.)
C.B.I.

New Delhi, the 17th July 1979

No. C-3/73-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri C. M. Sharma, IPS (1962 : U.P.), Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of the 7th July 1979 and until further orders.

The 18th July 1979

No. K-30/65-AD.V.—On attaining the age of superannuation Shri K. M. Rangachari, relinquished charge of the Office of the Deputy Legal Adviser, Central Bureau of Investigation, at Madras on the afternoon of the 30th June 1979.

No. S-188/69-AD.V.—Shri S. Kasirajan, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. on deputation from Tamil Nadu Police relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in the C.B.I. on the afternoon of the 30th June 1979. His services have been placed back at the disposal of the Tamil Nadu State Police.

No. D-1/73-AD.V.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri D. R. Chauhan, Dy. Supdt. of Police, C.B.I., are placed back at the disposal of the Government of Himachal Pradesh with effect from the afternoon of 30th June 1979.

HIERO A. SHAHANAY
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE
New Delhi-110001, the 20th July 1979

No. O.II-129/75-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRP Force, Lt. Col. M. S. Allagh (Retd.) relinquished charge of the post of Asstt. Commandant, AWS, CRPF, Hyderabad on the afternoon of 12th May 1979.

No. O.II-1045/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murthy as Junior Medical Officer with effect from the forenoon of 25th June 1979 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 24th July 1979

No. O.II-1440/79-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Sunil Kumar Misra, as a General Duty Officer, Grade-I (Assistant Commandant) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14th June 1979 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi-110011, the 18th July 1979

No. 10/25/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Kumari G. Suguna Kumari, a Grade III officer of ISS and formerly Deputy Director in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics, New Delhi, as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi with effect from the afternoon of 30th June 1979, until further orders.

No. 11/8/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Kumar, an officer belonging to the Arunachal Pradesh Civil Service, to the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations,

Arunachal Pradesh at Shillong, on deputation basis, with effect from the forenoon of 3rd July, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Kumar will be at Shillong.

The 19th July 1979

No. 11/83/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. B. Rai, an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, with effect from the forenoon of 9th July 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rai will be at Shillong.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla, the 4th August 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by six points to reach 345 (three hundred and forty five) during the month of June, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of June, 1979 works out to 419 (four hundred and nineteen).

TRIBHUVAN SINGH
Dy. Director
Labour Bureau, Simla

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 23th July 1979

No. 491/A.—In continuation of Notification No. 221/A dated 8th May 1979, the *ad hoc* appointment of Shri S. N. Chakraborty as Dy. Control Officer, India Security Press, Nasik Road will be treated as regular with effect from 4th June 1979.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA
New Delhi, the 19th July 1979

No. 1216-CA-1/44-79—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (C) has been pleased to promote the following Section Officers (C) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officer (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as Audit Officer (Comm.)	Date of posting as offg. Audit Officer (C)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	M.M. Ghosh	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta.	18-5-79 FN
2.	Niranjan Paul	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	18-5-79 FN
3.	G.D. Saha	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta.	18-5-79 FN
4.	Jyotsnamoy Mozumder	Comptroller & Auditor General of India, New Delhi.	AG-II, West Bengal, Calcutta.	13-6-79 FN
5.	R. Vaidyanathan-II	AG-II, Tamil Nadu, Madras	MAB & Ex-officio DCA, Bombay.	14-6-79 FN
6.	G.T. Abraham	MAB & Ex-officio DCA, Madras	Do.	15-6-79 FN
7.	Gyarsilal Yadav	AG, Rajasthan, Jaipur.	Do.	15-6-79 FN

M.S. GROVER
Deputy Director (Comm.)

OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 20th July 1979

No. Admn.I/O.O.-167/PF/M.L.Behl/79-80/754.—Shri M. L. Behl, a permanent Audit Officer of this office shall stand retired voluntarily from service of the Govt. of India with effect from the forenoon of 20th July 1979 after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.D.M. of H.A.O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A), dated 26th August 1977.

Shri Behl entered Govt. service on 9th June 1947 and his date of birth is 10th April 1929.

Sd. ILLEGIBLE

Dy. Director of Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT POSTS AND TELEGRAPHS

Delhi-110054, the 17th July 1979

No. Admn.III-195/23(A)(2)Notn.—Shri M. S. Schaffter, a substantive Audit Officer in the P&T Branch Audit Office Madras has retired from service with effect from 31st May 1979 (A.N.) on superannuation.

LACHHMAN SINGH
Joint Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 23rd July 1979

No.2122/A.Admn.130/79.—On attaining the age of superannuation S/Shri H. L. Malhotra and T. S. B. Rao, Substantive Audit Officers of the Audit Department, Defence Services, retired from service with effect from 30th June 1979. (A.N.).

No. 2123/A. Admn./130/79—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer, until further orders in the offices and from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name	Office in which appointed	Date
S/Shri			
1.	V.S. Jagota	Audit Officer, D.S., Jullundur.	25-6-79
2.	D. Sanyal	Joint Director of Audit, D.S., E.C., Patna.	18-6-79
3.	G.R. Bangur	Joint Director of Audit, D.S., S.C., Poona	25-6-79
4.	A.B. Gopalaratnam	Asstt. Director of Audit, D.S., Madras.	5-7-79

No. 2124/A.Admn/130/79.—Shri K. M. Mathenkunlu Substantive Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Poona, passed away on 2-7-79.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit,
Defence Services

of Controller General of Defence Accounts in a substantive capacity with effect from 1st December 1977.

R. L. BAKHSHI
Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT
FACTORIES

Calcutta, the 30th June 1979

No. 5/79/A/M.—The Draft Gazette Notification No. 1/79/A/M dt. 7th February 1979 issued under No. 408/A/M dt. 7th February 1979 in respect of promotion of Permanent Asstt. Medical Officers to Offg. Senior Medical Officers published in the Gazette of India Part III Section I at page 3671 (English) and 3569 (Hindi) of week ending 12th June 1979 is hereby cancelled.

O. P. BAHL
Addl. DGOF
for Director General, Ordnance Factories

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 20th July 1979

No. 3583/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Kacker, a permanent officer in Level I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, serving on deputation as Secretary (Expenditure) in the Ministry of Finance, Department of Expenditure, to the grade

No. 6/79/A/M.—The President is pleased to appoint the following Permanent Asstt. Medical Officers as officiating Sr. Medical Officers in Ordnance Factory, Health Services with effect from the dates mentioned against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Posted at	Date
1.	Dr. Mrs. B. Sarkar	Ordnance Factory, Kanpur.	29-6-78 (Retired on 31-8-78)
2.	Dr. B.N. Sen	Ordnance Factory, Varangaon.	29-6-78
3.	Dr. D.K. Sanyal	Cordite Factory, Aruvankadu	4-7-78
4.	Dr. A.R. Chattopadhyay	Ordnance Factory, Ambarnath.	29-6-78
5.	Dr. S.K. Bhattacharya	Ordnance Factory, Bhandara.	29-6-78
6.	Dr. Miss J.R. Barua	Ordnance Factory, Muradnagar.	29-6-78
7.	Dr. R. K. Paul	Ordnance Factory, Katni.	29-6-78
8.	Dr. P.G. Sarkar	Ordnance Factory, Tiruchirapalli	29-6-78
9.	Dr. Priyakesh Mukherjee	Ordnance Factory, Dehra Dun.	29-6-78

Sl. No.	Name	Posted at	Date
10.	Dr. K.B. Das Gupta	Ordnance Factory, Kanpur.	15-9-78
11.	Dr. S.K. Majumdar	Gun Carriage Factory, Jabalpur.	1-7-78
12.	Dr. M.G. Chakraborty	Ordnance Factory, Ambajhari.	24-7-78
13.	Dr. Km. K. Subaiya	Vehicle Factory, Jabalpur.	15-10-78
14.	Dr. P.K. Sarkar	Ordnance Factory, Bhusawal.	16-5-79

O.P. BAHL
Addl. DGOF

for Directorate General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 2nd July 1979

No. 12(639)/69-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. A. Rao, Director (Gr. II) (Mechanical) Small Industries Service Institute, Bangalore as Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Bangalore on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st June 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd July 1979

No. A-1/1(470).—Shri D. R. Nagpaul, substantive Assistant Director Grade I and officiating Deputy Director (Gr. II of ISS) in the DGS & D, New Delhi, has retired from Government service with effect from 30th June 1979 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1(1138)/79.—In partial modification of this office notification of even number dated 19th June 1979, Shri B. K. Saxena, officiating AD (Admn.) (Gr. II) is reverted to his substantive post of Superintendent in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi, with effect from the forenoon of 21st June 1979.

K. KISHORE
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 19th July 1979

No. F.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7), dated the 11th July 1969, under Class 3 Division 2, add "CLADEX" after the entry "BI AMIX-B".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

FILMS DIVISION

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

Bombay-26, the 18th July, 1979

No. A-31014/8/75-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints the undermentioned Officers of the Films Division to the posts of Cameraman in substantive capacity with effect from the date shown against each :—

S.No.	Name	Date
1.	Shri N. Narasingha Rao, Quasi Permt. Cameraman.	19-1-1965
2.	Shri Baldev Khosla, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Chief Cameraman.	28-6-1968

14-185GI/79

Sl. No.	Name	Date
3.	Shri M.S. Pendurkar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	18-12-1969
4.	Shri D.N. Chandekar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-4-1972
5.	Shri V.P. Parmar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-3-1976
6.	Shri M.S. Gangadhar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-3-1976
7.	Shri H.R. Doroswamy, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	16-3-1976
8.	Shri P.W. Baokar, Quasi Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
9.	Shri K.N.N. Iyengar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
10.	Shri B.S. Mathur, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	29-3-1976
11.	Shri K. Jagajivanram Quasi Permt. Cameraman.	13-8-1977
12.	Shri D.R. Haldankar, Permt. Asstt. Cameraman and Offg. Cameraman.	15-1-1978

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

BHARAT SARKAR AKASHVANI

Chandigarh, the 16th June 1979

ORDER

No. 21(122)/75-S.—WHEREAS Shri Bhinder Singh S/O Shri Karnail Singh employed as Copyist in All India Radio, Govt. of India and at present posted at its Chandigarh Office has declared that he has changed his name to Bhupinder Singh.

2. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh Son of Shri Karnail Singh has executed at Deed on 8-3-79 wholly renouncing, relinquishing and abandoning the use of his former name of Shri Bhinder Singh and in place thereof adopted the name of Bhupinder Singh so that he is called, known and distinguished not by his former name of Bhinder Singh but by the name of Bhupinder Singh, and, by the same Deed, expressly authorised and requested all persons at all times thereafter to designate and address him by the name of Bhupinder Singh.

3. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh has got a Public Notice issued and published in the Newspaper, The Indian Express of 13-12-78, to the effect and for the knowledge of all concerned that he has changed his name to Bhupinder Singh.

4. WHEREAS the said Shri Bhinder Singh has issued and published a Notice in the Gazette of India of 24-2-79 to the effect that he has changed his name and shall thereafter be known as Bhupinder Singh.

5. NOW, THEREFORE, the undersigned, in his capacity as the Head of the Office in which the said Shri Bhinder Singh works at present as Copyist (Staff Artist), accepts the said request of Shri Bhinder Singh that his name be changed from his existing name of Shri Bhinder Singh to Shri Bhupinder Singh in all the official documents and Government records pertaining to the said Shri Bhinder Singh with effect from the date of issue of this Order.

K. N. NAIR
Station Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th July 1979

No. A.12025/14/78(FRSL)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Indranil Chakraborti, Junior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, to the post of Senior Analyst at the same Laboratory, with effect from the forenoon of the 12th June 1979 and until further orders.

The 21st July 1979

No. 9-30/72-Admn.I.—Consequent on the acceptance of her resignation Smt. Shukla Nanda relinquished charge of the post of Clinical Psychologist at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi on the afternoon of 31st March 1979.

No. A.12025/8/77(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. Rajan in the post of Assistant Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 15th May 1979 in an officiating capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M)

(STORES I SECTION)

New Delhi, the 21st July 1979

No. A.32014/4/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. D. Lahiri, Office Supdt., Medical Store Depot, Calcutta in the post of Assistant Depot Manager (Group-B-Gazetted) in the same Depot, for a period of six months with effect from the afternoon of 19th June 1979.

R. C. SHARMA
Assistant Director General (Stores)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 16th July 1979

No. 2-1/79-Estt.(I).—The *ad hoc* appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended beyond 30th June 1979 and upto 31st August 1979.

B. N. CHADHA
Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 18th July 1979

No. A-19023/57/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) in this Directorate have been extended upto 30th September 1979 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

1. Shri M. Chakraborty.
2. Shri S. B. Chakravarty.

3. Shri R. V. Kurup.
4. Shri S. V. Krishnamurthy.
5. Shri S. D. Phadke.

No. A. 19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st July, 1979, or until regular arrangements are made, whichever is earlier :—

S/Shri

1. R.S. Singh
2. B.N.K. Sinha
3. A.N. Rao
4. R.V.S. Yadav
5. M.P. Singh
6. H.N. Rai
7. D.N. Rao
8. S.P. Shinde
9. R.C. Munshi
10. K.K. Tiwari
11. S.K. Malik
12. S.D. Kathalkar
13. R.K. Pandey
14. M.J. Mohan Rao
15. K.K. Sirohi
16. Smt. Ansuya Sivarajan
17. S/Shri V.E. Edwin
18. S.P. Saxena
19. N.G. Shukla
20. R.C. Singhal
21. H.N. Shukla
22. K.G. Wagh
23. S. Suryanarayana Murthy
24. V.L. Vairaghar,
25. S.R. Shukla
26. M.C. Bajaj
27. N.S. Chelapati Rao
28. K. Jayanandan
29. C.M. Girdhar
30. S.A. Shamsi

2. Shri S.S.R. Sharma Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 22-6-79 (AN) upto 31-7-79 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19024/2/79-A.III.—The short term appointment of the following officers to the posts of Chief Chemist have been extended upto 30th September 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S/Shri

1. Chandra Prakash.
2. A. A. S. Prakasa Rao.
3. N. Kasi Rao.

The 20th July 1979

No. A-19020/6/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. P. Kamble, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Ongole w.e.f. 25th June 1979 (F.N.) until further orders.

No. A.19023/7/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri H. C. Sirka, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Madras in the afternoon of 30th June 1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Sirka relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Varanasi in the afternoon of 23rd June 1979.

No. A-19024/3/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. D. John is appointed to officiate as Junior Scientific Officer in this Directorate at C.A.L. Nagpur, w.e.f. 22nd June 1979 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 18th July 1979

No. NAPP/Adm/1(139)/79-S/8194.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri D. S. Dadhwal a permanent Foreman and officiating Scientific Officer/Engineer grade-SB in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer grade-SB in Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 25, 1979, until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th July 1979

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18188.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. R. Menon, Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 14th May 1979 to 13th July 1979 (AN) vice Shri G. D. Rathod granted leave.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18194.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. C. S. Pillai, Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 23rd October 1978 to 27th November 1978 (FN) vice Shri Arabinda Panda granted leave.

No. DPS/2/1(1)/77-Adm/18200.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Wazirchand, Chief Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis w.e.f. 25th May 1979 to 30th June 1979 (AN) vice Shri Arabinda Panda granted leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 3rd June 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1076.—WHEREAS Shri B. P. Srivastava, Tradesman 'C', ZFP, NFC failed to report for duty on 6th January 1979 on the expiry of the leave granted to him for 20 days from 17th December 1978,

AND WHEREAS a telegram directing the said Shri Srivastava to join duty immediately was sent to his known local and permanent home addresses on 17th February 1979,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava continued to remain absent from duty,

AND WHEREAS a memo, vide No. NFC/PA.II/B-60/ZFP/795, dated 17th February 1979 was sent to the local and permanent home addresses of Shri Srivastava, informing him that suitable disciplinary action will be taken against him, if he fails to report for duty immediately,

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent by regd. post ack. due to the local address of the said Shri Srivastava was returned undelivered by the postal authorities with remarks, "B. P. Srivastava left to his native place to see his mother (she is in critical condition) he will be coming after a month",

AND WHEREAS the said memo dated 17th February 1979 sent to his hometown in Bihar was also returned undelivered with the endorsement "the addressee left without address, hence returned to the sender",

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has continued to remain absent and failed to inform the NFC of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has been guilty of not returning to duty on the expiry of the leave and voluntarily abandoning service,

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders,

AND NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41.8 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm. dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Srivastava from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO
Chief Executive

Shri B. P. Srivastava,
Badran village,
Pachrukhi P.O.,
Siwan Dist.,
BIHAR.

Shri B. P. Srivastava,
C/o Shri K. Ram Rao,
Mallapuram,
HYDRABAD-500762

Hyderabad-500762, the 9th June 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/1147.—WHEREAS Shri C. Jangaiah, while employed as Helper 'B', FFP, has been remaining absent without prior permission with effect from 19th December 1977 committing a gross misconduct in terms of para 34 and 39(5) of NFC Standing Orders,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah was informed of the charges levelled against him, vide memo. No. NFC/PA.V/20/1855, dated 15th November 1978, wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 10 days from the date of receipt of the said memo,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah failed to submit his explanation although he received the said memo dated 15th November 1978, on 20th November 1978,

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed to inquire into the charges levelled against him, vide order dated 15th December 1978,

AND WHEREAS THE Inquiry Officer submitted the inquiry report on 23rd April 1979, holding the charges framed against the said Shri Jangaiah *exparte*, since Shri Jangaiah failed to attend the inquiry.

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the inquiry report and records of the case, has come to the provisional conclusion that Shri Jangaiah should be dismissed from service,

AND WHEREAS a show cause notice, vide memo No. NFC/PA.V/20/959, dated 16th May 1979, has been sent to the said Shri Jangaiah by regd. Post to his local and permanent home town addresses, asking him to explain why he should not be dismissed from service,

AND WHEREAS the said Shri Jangaiah failed to submit his representation in response to the show cause notice, even though he received the said memo on 21st May 1979,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41 of the NFC Standing Orders read with DAE order No. 22(1)/68-Adm., dated 3rd December 1970 and para 42 of the NFC Standing Orders read with rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Jangaiah from service with immediate effect.

U. VASUDEVA RAO
Senior Administrative Officer

Shri C. Jangaiah.
C/o Shri C. Jangaiah
Village & P.O. Lingal
Achampet Tq.
Mahboobnagar Dist.

Shri C. Jangaiah
Meerpet
Mallapuram
Hyderabad

Hyderabad-500762, the 31st May 1979

MEMORANDUM

Ref. NFC/PA.V/20/1055.—In accordance with the Memorandum No. PAR/0702/G-77/3380, dated 18th January 1978 read with offer of appointment (Letter No. PAR/0702/3192, dated 1st January 1978) and also the Memo No. PAR/1001/297, dated 25th January 1979, the undersigned hereby terminate with immediate effect the services of Shri K. Ganesh, Helper 'A', ZOP, in NFC. Shri Ganesh shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for one month at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service, in lieu of notice period as per para 45 of NFC Standing Orders.

Shri Ganesh is hereby advised to surrender his bus pass, security badge and other Government material issued to him immediately to the Manager, ZOP and collect his dues from the Accounts Officer, NFC.

U. VASUDEVA RAO,
Administrative Officer

Shri K. Ganesh
H. No. 17-2-565.
Kurmaguda
Hyderabad-500036

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 2nd July 1979

No. MAPP/3(1315)/79-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri K. Natarajan, a permanent Scientific Assistant 'C' and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project with effect from the forenoon of May 23, 1979 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPS-401 504, the 16th July 1979

No. TAPS/2/1429/78.—Consequent on repatriation to his parent Department Shri D. G. Kataria Section Officer (Accts) in the W. Rly. and presently on deputation to TAPS as Asstt. Accounts Officer, relinquished charge of his post in this Power Station with effect from afternoon of June 30, 1979.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 14th June 1979

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:

Sl. No.	Name	Designation	Date
	S/Shri		
1.	Narendranath Reddy D	Engineer SB	23-4-1979
2.	Surendra Kumar Vyas	Engineer SB	3-5-1979

No. 020/3(061)/P/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to promote the undermentioned Officers of the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space to the posts and w.e.f. the forenoon of the dates as indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore in an officiating capacity and until further orders:

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted	Post & grade to which promoted	Date
	S/Shri			
1.	S.B. Kulshrestha	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
2.	M.R. Raghavendran	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
3.	K.T. Ramaprasad	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
4.	Ajit Phandis	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
5.	K.S. Balan	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
6.	M.S. Phadke	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
7.	K.N. Sudhakaran	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
8.	L. Nicholas	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
9.	N. Haridasan Chettiar	Sci. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979
10.	M.V. Ramakrishna	Tech. Assistant C	Engineer SB	1-4-1979

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 18th July 1979

No. A.38013/1/79-EC.—Shri L. P. Samuel, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 30-6-79 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Director of Administration

New Delhi, the 5th July 1979

No. A.12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. 12025/3/71-E.I., dated 16-4-1979, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued adhoc appointment of Shri K. K. Sharma, to the Post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 30-6-79 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19014/169/72-E.I.—Dr. P. C. Mathur, an officer of the Indian Statistical Service, Grade IV, relinquished the charge of the office of Statistical Officer, Civil Aviation Department on the afternoon of 31-3-1979, on retirement from Government service.

No. A.32013/8/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Mazumdar, Deputy Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), to the post of Director, Air Routes & Aerodromes (Operations), Civil Aviation Department, with effect from the 8th June, 1979 (forenoon) and until further orders.

The 6th July 1979

No. A.12022/1/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Bedi, to the post of Statistical Officer in Civil Aviation Department with effect from the 12th April, 1979 (Forenoon) and until further orders. This Department's Notification No. A.12022/1/79-E.I., dated 3-5-1979 is hereby cancelled.

C. K. VATSA,
Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th July 1979

No. 1/120/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Naresh Gambhir, Officiating Technical Assistant, New Delhi Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 5th May 1979 and until further orders.

The 19th July 1979

No. 1/409/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. R. Nalkur, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the Calcutta Branch, with effect from the forenoon of the 26th April, 1979 and until further orders, on a regular basis.

Indore, the 18th July 1979

No. 9/79—Consequent upon their promotion as Superintendent of Central Excise Group 'B' the following Inspector (S.C.) of Central Excise have assumed their charges as Superintendents of Central Excise Group 'B' as shown against their names. :—

S.No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge.
S/Shri			
1.	A.T. Deshmukh	Suptd. (Prev.) C. Ex. Divl. Office, Raipur.	10-5-79 F.N.
2.	G.M. Daterao	Supdt. (Prev.) C. Ex. Divl. Office, Indore.	29-6-79 F.N.

S.K. DHAR
Collector

No. 1/439/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. P. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 11-12-1978 to 25-4-1979 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 20th July 1979

No. 1/391/79-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri J. K. Garg, Technical Assistant, Poona Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from the forenoon of the 21st October, 1975 to the 15th August, 1977 (both days inclusive) on ad-hoc basis and with effect from the forenoon of the 16th August, 1977 and until further orders, on a regular basis.

H. L. MAIHOTRA,
Dy. Director (Admin.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 17th July 1979

No. 16/332/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri M. Rangarajin, Assistant Conservator of Forests belonging to Andamans and Nicobar Islands Forest Department as Assistant Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, with effect from the forenoon of 5th June, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN,
Kul Sachiv,

CENTRAL EXCISE, BARODA

Baroda, the 13th July 1979

No. 9/79.—Shri J. H. Patel, Superintendent of Central Excise, Group 'B' working under Assistant Collector of Central Excise, Division-III Ahmedabad has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-6-79.

No. 10/79.—Shri C. R. Patel, Superintendent of Central Excise, Group-B working under Assistant Collector of Central Excise, Division-II Ahmedabad has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-79.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise,
Baroda.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 19th July 1979

No. 4.—Shri V. G. Tamhane, Superintendent (R.B.C./Audit), Central Excise, Group-B of this Collectorate retired from Government service in the after-noon of 30-6-1979 on attaining the age of superannuation.

K. SANKARARAMAN,
Collector

SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 23rd July 1979

No. P/G/14D/2/Conf/Pl.II.—Shri Shivaji Rakshit, Junior Scale (Class I) Officer of the Accounts Department of this Railway is confirmed in Junior Scale (Class I) of that Department on this Railway with effect from 16th July, 1977.

J.S.D. DAVID,
General Manager

OFFICE OF THE L.A.C., ACQ. RANGE-I,

Calcutta-16, the 23rd February 1979

No. SP 63/354.—It is hereby notified that the property bearing No. 46/1A situated at Chowringhee Road, Calcutta has been taken possession of in terms of the provisions contained in sub-section (1)/(2) of section 269I of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) on 1-12-78 by Shri C. R. Dey, Executive Engineer, Cal. C.D.-I, CPWD, Cal. Shri _____ duly authorised in this behalf. In terms of sub-section (4) of Section 269I of the Act, the said property vests absolutely

in the Central Government, free from all encumbrances with effect from the aforesaid date.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition
Range-I, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nathan Transports Private Limited.*

Madras, the 20th July 1979

No. 3710/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nathan Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN,
Assistant Registrar of Company

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Shillong, the 5th July 1979

Ref. No. 264/A-224/DBR/78-79.—Whereas, I,
E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 323, New P. Patta No. 6 situated at Santipara of New Amolapatty Ward, Dibrugarh Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dibrugarh on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Amulya Ratan Nag
S/o. Late Mohini Mohan Nag.
2. Smt. Renu Kana Nag
W/o. Late Sudhir Kr. Nag.
3. Shri Adhir Kumar Nag
S/o. Late Mohini Mohan Nag.
Santipara, Dibrugarh.

(Transferor)

1. Shri Amar Ghosh
2. Shri Manik Ghosh
3. Shri Swapan Kumar Ghosh
All Sons of Shri Amulya Chandra Ghosh
Santipara, Dibrugarh.

(Transferee)

1. Shri Paresh Nandi
Prop. Stationary Shop
Natura Bazar, Dibrugarh
2. Shri B. R. Das
Asstt. Teacher
Railway School
Santipara, Dibrugarh.

(Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha, 16 (sixteen) Lecha along with two assam type houses measuring 800 sq. ft. and two kitchen measuring 320 sq. ft. situated at Santipara 3rd Lane, Dibrugarh town in the district of Dibrugarh, Assam.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 5-7-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raisuddin Ahmad

(Transferor)

(2) Shri Bhudeo Singh and Others

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
57-Ram Tirsh Marg, Lucknow.**

Lucknow, the 15th May 1979

Ref. No. 83-B/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mauza Daulat Bagh, Moradabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 27438 sqr. meter situate at Mauza Daulat Bagh, Pargana Sikandarpur, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 5268 and sale-deed duly registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-5-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Raisuddin Ahmad

(Transferor)

(2) Shri Bhudeo Singh and Others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1979

Ref. No. B-84/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Mauza Daulat Bagh, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 25-11-1978 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—186GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 154-60 sqr. meter situate at Mauza Daulat Bagh, Paragna Sikandarpur, Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the form 37-G No. 5382 and sale-deed duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Moradabad on 25-11-1978

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th May 1979

Ref. No. 86-K/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mohalla Mahatma Gandhi Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 28-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shyam Saran Shukla
(Transferor)
(2) M/s. Kapoor and Sons
(Transferee)
(3) Shri Shyam Saran Shukla
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One tin covered plot of land measuring 388.21 sqr metr. situated at Mohalla Mahatma Gandhi Nagar, Moradabad and all that description of the property mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5459/78 both duly registered at the Office of the Sub-Registrar, Moradabad on 28-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd June 1979

Ref. No. P-71/Acq/79-80.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bazar Chowk, Najibabad, Distt. Bijnore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Najibabad on 17-11-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- | | |
|--|---|
| (1) Smt. Usha Rani | (Transferor) |
| (2) Smt. Pushpa Kumari | (Transferee) |
| (3) 1. Abdul Rehman,
2. Mohd. Yamin &
3. Mohd. Naim.
(Tenants). | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop measuring 43 sq. fts situated at Bazar Shock Najibabad Distt. Bijnore and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-B No. 1995 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Najibabad on 17-11-78.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-6-1979.
Seal :

FORM ITNS(1) Shri K. B. Jindal and
A. C. Gupta

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Kusum Agarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW**

Lucknow, the 5th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. K-87/Acq.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. B-8
situated at H. Road, Mahanagar Extension Scheme, Lucknow.
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
at Lucknow on 3-11-1978.
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reasons to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. B-8 measuring 10,325 sqr. fts. situated
at H. Road, Mahanagar Extension Scheme Lucknow and all
that description of the property which is mentioned in form
37-G No. 5102 and sale-deed duly registered at the office
of the Sub-Registrar Lucknow on 3-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th July 1979

Ref. No. S-175/Acq/79-80.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 941 situated at Mohalla Satti Road, situated at Mirzapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Nath Khandelwal.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi

(Transferee)

(3) Principal Jr. Training College

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(4) Does not arise.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built house erected and built on land measuring about (72,00 sq. ft.) being premises No. 941 situated lying at Mohalla Satti Road, Mirzapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5310 duly registered with the registrar authorities Calcutta on 20-11-1978.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohammad Usman

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Goel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 20th July 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. S-177/Acq/79-80.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Village Bhadaura Rampur Road, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 17-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory building including land etc. measuring 1,818.83 sq. Mtr. situate at Village Bhadaura, Rampur Road, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5222/78 which have been registered at the Office of the Sub-Registrar on 17-11-1978.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-576/BTI/79-80.—Whereas,

I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Gurcharan Singh, G-1, Police Station, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Sh. Shivdev Singh s/o Sh. Ishwar Singh, Plot No. 521-C, Phase No. 1, Urban Estate, Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot in Urban Estate, Bhatinda as mentioned in the Registration Deed No. 4384 of Dec. 1978 of the Registering Authority, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-577/79-80/FZR.—Whereas,
I, SUKHDEV CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
As per Schedule situated at Basti Balochanwali Ferozepur
city,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ferozepur on Dec. 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Darbara Singh r/o.
Basti Balochanwali, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) Sh. Darshan Lal s/o Sh. Kishore Lal r/o Basti
Balochanwali, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One House in Basti Balochanwali, Ferozepur City as
mentioned in the Registration Deed No. 4479 of December,
78 of the Registering Authority, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-578/TS/79-83.—Whereas,

I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Maur Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on Dec. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—186GI/79

(1) Sh. Puran Chand & Munchi Ram s/o. Hira Mal, M. C. No. 3 Ward No. 9-1/A-1, Row, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Chand s/o. Hira Mal s/o. Hira Mal, Brahman Dutt, Hem Raj s/o. Hira Mal s/o. Hira Mal, Arjit, Maur Mandi.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house in Maur Mandi as mentioned in the Registration deed No. 1552 of Dec. 1978 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-579/TS/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Maur Mandi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer At Talwandi Saboo on Dec. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Puran Chand s/o Munshi Ram s/o Sh. Hira Mal, M.C. No. 3 Ward No. 9-1-A/III row, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Chander, Des Raj, Dev Raj, Brahm Dutt, Hem Raj s/o Hari Ram through Hari Ram Arkti, Maur Mandi.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storey building constructed over a plot of size 296 1/3 sq. yards as mentioned in the registration deed No. 1570 of Dec. 1978 of the Registering Authority Talwandi Saboo.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-580/FZR/79-80.—Whereas,

I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule.

situated at Ferozepur Cantt.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Jan. 1979.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parwati Devi wd/o Sh. Kanahaya Lal, Ferozepur Cantt.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Hukam Chand, Mehar Chand, Ram Parkash, Sat Pal ss/o Sh. Guranditta Mal, Bazar No. 2 Ferozepur Cantt.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey structure on load bearing walls on a plot of area 224 Sq. Yards situated in a lane of Bazar No. 2, Ferozepur Cantt. as mentioned in the registration deed No. 4914 of 8-1-1979 of registering Authority, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Ja Sri Pandrimalai Mamikaly Mission
(Bombay Unit).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulchand Javerchand Memaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1979

Ref. No. AB-1/AP301/1685-5/78-79. Whereas, I V. S.
SHESHADRIbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingS. No. 90 H. No. 1 (pt) I/I C.T.S. No. 1766 situated
at Chembour Village(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at

Bombay on 30-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value ofthe aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of —(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other asset which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (7 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1857/
77 and registered on 30-11-1978 with the Sub-Registrar
Bombay.

V. S. SHESHADRI

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
persons, namely —

Date : 28-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 24th July 1979

Ref. No. AR: I/4080-22.—Whereas, J V. S. SESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 1/1071 of Gungam Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

at Bombay on 6-12-1978.

1. (1) Ishwarlal Maganlal Dalal,
(2) Smt. Ranjan Ishwarlal Dalal, (3) Madhusudan Ishwarlal Dalal.

(Transferor)

2. M/s. Nanda Enterprises,

(Transferee)

3. 1. Bank of India
2. Shah B.N.
3. G. B. Patel
4. L. R. Shah
5. Velbai Mulji Shah
6. Popatlal Girdharilal

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 712/78/ Bom. and registered No. 6-12-78 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 20th July 1979

Ref. No. IAC/Acq.-III/7-79/362.—Whereas J. D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

C-II/38 situated at Safdarjang Development Area, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-12-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asa Ram Aggarwal S/o Shri Salig Ram Aggarwal R/o Jeevan Deep, 4th Floor, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Rajeev Grover S/o Shri K. L. Grover R/o 20-B/1, Desh Bandhu Gupta, Dev Nagar New Delhi-110005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereinafter as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storey building, on plot No. C-II/38 measuring 316 sq. yards situated in Safdarjang Development Area, Mehrauli Road, New Delhi-16 bounded as under :—

North : Service Lane
South : Road
East : Service Lane
West : Building No. C-II/37.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 24-7-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sardar Pradhan Singh, s/o.
Sardar Nirmal Singh, r/o.
D-11/17, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar Malhotra, s/o. Sh. K. C. Malhotra & Smt. Veena Malhotra, w/o Sh. S. K. Malhotra, r/o 42/1, D.I.F. Industrial Area, Kirti Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.21/4517/79-80/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/81 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 536.11 sq. yds. bearing No. 10/81 situated in the colony known as Punjabi Bagh, on Rohtak Road, Delhi and bounded as under :—

East : Service Lane
West : Road No. 81
North : Building on Plot No. 8
South : Building on Plot No. 12.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.51/4547/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
4736 Part-B, Ward-XI situated at 23-Ansari Road,
Darya Ganj, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on November, 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Dewan Daulat Rai Kapoor, C-96, Defence Colony,
New Delhi (2) Sh. Bal Krishan Kapoor, C-407,
Defence Colony, New Delhi (3) Sh. Chaman Lal
Bahl (4) S. Hari Nath Kapoor (5) Sh. Har Nath
Kapoor (6) Smt. Shashi Kapoor / (7) Smt. Shani
Kapoor r/o. 4736, Part-B, 23-Ansari Road, Darya
Ganj, New Delhi.

(Transferor)

- (2) S.M.C.A. Construction Co., through its Prop. Sh.
M.P. Gupta, r/o. 16/F-3, Darya Ganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied building with land underneath measuring
1162 sq. yds. bearing Mpl. 4736 Part-B (New), (old No.
6147) situated at 23-Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-
110002 and bounded as under :—

East : Ansari Road.
West : Property No. 22
North : 45' wide Road
South : Property No. Mrs. Feroza Begum.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gulshan Kumar Chawla, s/o Sh. M. L. Chawla,
r/o. I-24, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harbhajan Kaur, w/o S. Joginder Singh, r/o
59, Nai Wala, Kraol Nagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 74/4489/78-79/1925/21/7.—

Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-
after referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-108, Part-A situated at Mansrover Garden, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—
1—186GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 477.75 sq. yds. bearing
No. E-108, Part-A situated in the colony known as Mansrover
Garden, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as
under :—

East : Lane
West : Road
North : Plot No. E-109
South : Plot No. E-107

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 75/4490/78-79-1925.—

Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-109, Part-B situated at Mansrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Chander Sachdeva s/o. Sh. R. L. Sachdeva, r/o. 1-24, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)
- (2) Shri S. Sajjan Singh, s/o. S. Mehar Singh, r/o 59, Nai wala, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land measuring 477.75 sq. yds bearing No. E-109, Part-B, situated in Mansarover Garden, Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under :—

East : Lane
West : Road
North : Plot No. E-109.
South : Plot No. E-107

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 18/4434/78-79/1925.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 767(old) 1658-1660 (new) situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi.
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi
on November, 1978.
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons namely :—

(1) Shri Puran Singh Narula, s/o. Sh. R. C. Narula r/o.
919, Kashmeri Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Asia Builders & Contractors, A/18B, Asaf Ali
Road, New Delhi, through its partner Sh. R. K.
Aggarwal.

(Transferee)

(3) M/s. Power Tools Appliance Co., Ltd.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660
(New), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

North : Alnut Building Delhi Polytechnic.

East : Delhi Polytechnic

West : Lothian Road

South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 19/4435/78-79/1925.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 767(old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sunil Kumar Gupta, s/o. Sh. M. L. Gupta, r/o 547, Gali Behal Sahib, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Asia Builders & Constructors A/18B, Asaf Ali Road, New Delhi, through its partner Sh. R. K. Aggarwal.
(Transferee)

- (3) M/s. Power Tools Appliance Co. Ltd.,
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660 (New Delhi), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic
West : Lothian Road
North : Alnut Building Delhi Polytechnic
South : Property No. 1661.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 17/4433/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 767(old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar, s/o. Sh. N. L. Gupta, r/o 544, Gali Behl Sahib, Ganda Nalah, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Asai Builders & Contractors 1/18B, Asaf Ali Road, New Delhi through its partner Sh. B. K. Aggarwal.
(Transferee)
- (3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767(old) 1658-1660 (New) measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic.

West : Lothian Road

North : Alnut Building Delhi Polytechnic

South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 42/4538/78-79/1925/21/7.—

Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 767 (old) 1568-1660 (New) situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Shail Gupta, w/o. Sh. P. C. Gupta 1156, Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Asia Builders & Contractors A-18/B, Asaf Ali Road, New Delhi through its partner Sh. R. K. Aggarwal.

(Transferee)

(3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767 (old) 1568-1660 (New) measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi and bounded as under :—

East : Delhi Polytechnic

West : Lothian Road

North : Alnut Building Delhi Polytechnic

South : Property No. 1661.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Pushpa Gupta, w/o Sh. G. C. Gupta, r/o. 1156, Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 41/4537/78-79/1925-21-7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 767 (old) 1658-1660 (New) situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November 1978.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269-D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (2) Asia Builders & Contractors, 1/18B, Asaf Ali
Road, New Delhi through its partner Sh. B. K.
Aggarwal.

(Transferee)

- (3) M/s Power Tools Appliance Co. Ltd.,

[Person(s) in occupation of the property]

Obections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share of property No. 767 (old) 1658-
1660 (New), measuring 150 sq. yds. situated at Lothian Road,
Kashmere Gate, Delhi and bounded as under:—

East : Delhi Polytechnic
West : Lothian Road
North : Alnut Building Delhi Polytechnic
South : Property No. 1661

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 50/4546/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, 5, 7, Canal Road situated at Vijay Nagar, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Habiburrehman, s/o. Sh. Hazi Mohd. 2, 5, 7,
Canal Road, Vijay Nagar, Delhi.
(Transferor)
- (2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, Regd.
through Sh. S. S. Dugal, 23/141/Lodhi Colony,
New Delhi.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A peice of land with building at 2, 5, 7, Canal Road,
Village Rajpur, Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi, measuring
11.517 sq. yds. and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain
West : Road
North : Ashoka Factory
South : Govt. land of Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 47/4543/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, H. B. L. Aggarwal

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, 5, 7, Canal Road, situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

18—186GI/79

- (1) Shri Khulilur-Rehman, s/o. Late Haji Mohd. Ismail Kakwan, r/o. 2, 5, 7, Canal Road, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through Sh. S. S. Duggal, r/o. 23/141, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with Building etc. at 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur, Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi, measuring 11,517 sq. yds. and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain

West : Road

North : Ashoka Factory

South : Govt land and land of Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No IAC/Acq.II/Nov. 48/4544/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, 5, 7, Canal Road
situated at Civil Lines, Vijay Nagar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on November, 1978
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Mohd. Sabir, Khalilur Rehman & Habibur
Rehman, sons & Smt. Zamarud Hassin & Ikhalak-
ul-Nisa, d/o. Late Haji Mohd. Ismail, r/o. 2, 5, 7,
Canal Road, Vijay Nagar, Delhi.
(Transferee)

(2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through Sh.
S. S. Duggal, r/o. 23/141, Lodhi Road, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with building measuring 1170 sq. mts.
bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur Civil Lines,
Vijay Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain
West : Road
North : Ashoka Factory
South : Govt. Land and land of Sh. Harbans Lal

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Zanaurud Hasion, D/o Sh. Hazi Mohd. Islam,
2, 5, 7, Canal Road, Vijay Nagar Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through
Sh. S. S. Duggal, 23/141, Lodhi Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 47/4545/78-79/1921.—

Whereas I, R. B. L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

2, 5, 7, Canal Road situated at Civil Lines, Vijay Nagar,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Delhi on November, 1978

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

A piece of land with building etc. measuring 1170.835 sq.
mts. bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Civil Lines, Village
Rajpur, Delhi and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain

West : Road

North : Ashoka Factory

South : Govt. Land and land of Sh. Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohd. Sabir s/o. Haji Mohd Ismail 2, 5, 7,
Canal Road, Vijay Road, Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sawan Kirpal Rushani Mission Society, through
Sh. S. S. Duggal, 23/141, Lodhi Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov. 56/4542/78-79/1925/21/7.—
Whereas I, R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. 2, 5, 7, Canal Road, situated at Civil Lines, Vijay Nagar,
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land with building measuring 11,517 sq. yds.
bearing No. 2, 5, 7, Canal Road, Village Rajpur, Civil
Lines, Delhi and bounded as under :—

East : Najafgarh Drain

West : Road

North : Ashoka Factory

South : Govt. land and land of Sh. Harbans Lal.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi.

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 26th July 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Nov.75/4571/78-79/2008/27/7.—
Whereas I. R. B. L. Aggarwal
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. XIV/218-226 & 239 to 244 situated at Post office Street,
Sadar Bazar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Delhi
in November 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Sethani Indermani Jatia Charitable Trust, Office at
Seth Ganga Sagar-Ki-Kothi, Junction Road, Khurja
(U.P.)

(Transferor)

- (2) Shri Ramchshwar Datt (2) Sh. Narender Kumar (3)
Sh. Jawahar Lal (4) Sh. Madan Mohan, r/o D-13/
5, Model Town, Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Sh. Kishan Lal, s/o Jamuna Dass 2 shops No.
219 & 220.
2. Sh. Kishan Lal, s/o Aishi Lal Shop No. 221.
3. Sh. Shiam Lal & Mahendra Nath Shop No. 222
4. Sh. Braj Bhushan, Shop No. 223.
5. M/s. Anil Kumar Yaspal 2 shops No. 224 &
225.
6. M/s. Kishori Lal Krishan Kumar Shop No. 226.
7. M/s. Rameshwar Datt Narendera Kumar Shop No.
239.
8. Sh. Sri Chand & Sh. Ramesh Chand Shop No. 241
9. Sh. Madan Lal & Avinash Chand Shop No. 241/1
10. Sh. Hem Raj Kakkar Shop No. 241/A
11. Sh. Amar Singh Shop No. 242.
12. Sh. Kulidp Singh Shop No. 243/1
13. Sh. Harbansh Lal Kakkar Shop No. 243/A.
14. Sh. Hari Ram Kakkar & Madhu Sudan Shop No.
243/1.
15. Sh. Krishan Lal Shop No. 243.
16. Sh. Indra Prakash Kumar & Raghubir Lal Shop
No. 244.

FIRST FLOOR

1. M/s. Rameswar Datt Narendera Kumar Shop No.
240.
2. Sh. Balbit Saran Shop No. 240/1
3. Sh. Hansraj Prop Hansraj & Co. Shop No.
240/2.
4. Sh. Amar Nath Shop No. 240/6, 7.
5. Sh. Mangal Sen Sharma Shop No. 240/8.
6. Sh. Krishan Singh Gulati Shop No. 240/5.
7. Sh. Ranjit Singh Gulathi Shop No. 240/4.
9. Sh. Thakur Singh Shop. No. 240/3.

SECOND FLOOR

1. Sh. Mata Din 3 rooms No. 240.
2. Sh. Sukhdeo 1 room No. 240.
(Persons in Occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

3 storeyed building bearing No. XIV/219-226 and 239 to
244, measuring 200 sq. yds. situated at Post Office Street,
Sadar Bazar, Delhi and bounded as under :—

East : Jawahar Market
West : Post Office Street
North : Portion of Prop. No. XIV/227 to 238
South : Khurshid Market.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 26-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE II**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 28th July 1979

Ref. No. IAC/Acq-II.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3620-21 situated at Netaji Subhash Marg, New Delhi-110002, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Dharam Prakash Gupta S/o Shri R. R. Gupta R/o 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi (Now 91 Daryaganj New Delhi). (Transferor)
- (2) M/s Vidya Builders P. Ltd., 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi through its nominee Shri Somendra Khosla S/o late Shri D. P. Khosla R/o B-5/14, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 303.3 sq. yds. and the building constructed thereon at Darya Ganj Estate, Old Police Station, Faiz Bazar, Plot No. 3 presently numbered as 3620-21, Netaji Subhash Marg, New Delhi-110 002 bounded as under :—

North : Other's Property.
South : Other's property.
East : Netaji Subhash Marg.
West : Street.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 28-7-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) (i) Smt. Abnash Pari.
 (ii) Dr. Khushwant Lal Wig 2-C, Sagar Apartments, 6-Tilak Nagar, New Delhi.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 10th May 1979

Ref. No. BGR/DLI/25/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/6, Mathura Road, Mewla Maharajpur situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Delhi in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) M/S Nahar Techno Fabrika Pvt. Ltd., 9 Curzon Road, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
 (Transferee)

- (3) M/s Lloyds Tools (India) Regd. G.B. Road, Delhi
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at 13/6 Mathura Road, Mewla Maharajpur, Faridabad and as more fully described in sale deed Registration No. 503 dated 18-11-1978 and Registered in the office of the Registering authority, Delhi.

E. K. KOSHI
 Competent Authority
 Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-5-1979.
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd July 1979

Ref. No. PNP/8/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 178 to 184 Ward No. 5 Rajputana Bazar, situated at Panipat, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panipat in November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Chander adopted s/o Shri Lachhman Dass Jyotsi R/O Panipat Now Rajghat Colony, Delhi.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Braham Dutt S/O Shri Sunder Lal.
(ii) Smt. Hardevi W/O Shri Braham Dutt.
(iii) Shri Narinder Kumar.
(iv) Shri Sulakh Chand sons of Shri Braham Dutt, resident of House No. 177, Ward No. 2 Panipat.
(Transferee)
- (3) (i) Shri Bhagwan Dass S/O Shri Ram Lal Shop No. 179/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(ii) Shri Chhaju Ram Shop No. 180/W-5, Rajputana Bazar, Panipat.
(iii) Shri Amar Nath S/O Shri Milkhi Ram Shop No. 181/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(iv) Shri Jiya Lal S/O Shri Ram Chander Shop No. 183/W-5 Rajputana Bazar, Panipat.
(v) Shri Daya Ram S/O Shri Rajinder Sain. Shop No. 184/W-5, Rajputana Bazar, Panipat.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 178 to 184 ward No. 5 Rajputana Bazar, Panipat and as mentioned more in the, Sale deed registration at No. 3219 dated 23-11-1978 with the Sub Registrar, Panipat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 2-7-1979.
Seal

FORM ITNS—

(1) S/Shri Shamsler Singh, Harminder Singh sons of Shri Ripudamman Singh, Kalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pronilla Puri W/O Shri Balraj Puri 654-ZC, Kalka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd July 1979

Ref. No. KLK/3/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 654-Zc situated at Kalka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—186 GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 654-ZC situated at Kalka and as more fully described in sale deed Registration No. 685 dated 1-1-1979 registered in the office of the Registering authority, Kalka.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 2-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. S. Nagra S/O Shri Sain Dass R/O House No. 269/16, Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ved Pal, Advocate S/O Shri Bishan Singh, R/O Karnal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 19th July 1979

Ref. No. KNL/11/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. H. No. 377-R, Model Town, situated at Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in November 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 377-R, Model Town, Karnal and as mentioned more in the sale deed registered at No. 4182 dated 5-11-1978 with the Sub Registrar, Karnal.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Priya Kumar Basu Roy Thakur Rtd. Ltd. Col., Ranchi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sreha Castings (Pvt.) Ltd. Through its Director Shri Sudhindra Nath Roy 99-A, Garpar Road, Calcutta-700009.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-334/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Plot No. 698 Khata No. 74 situated at Gari, Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranchi on 16-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 21.5 Kathas together with Bunglow standing thereon bearing Plot No. 698 Khata No. 74 situated at Gari, Ranchi morefully described in Document No. 8111 Dt. 16-11-1978 registered with the District Sub-Registrar, Ranchi.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-336/Acq/79-80.—Whereas, I. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mridula Chandra, W/o Shri Nirmal Chandra, Bakarganj, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Devi, W/o Shri L. P. Sharma of Mohalla Sultanpur, P.S. Dinapur, Patna.

(Transferee)

(3) M/s Sharma Bros., Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure on 600 Sft. land situated at Exhibition Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 within Patna Municipal Corporation more fully described in Document No. 7184 registered with the D.S.R., Patna on 29-11-78.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mridula Chandra W/o Shri Nirmal Chandra,
Bakarganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-337/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Bihar, Patna,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Holding No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward
No. 2 situated at Exhibition Road, Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Patna on 29-11-1978.

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Smt. Sudama Devi, W/o Shri R. B. Sharma, Kanker-
bagh, Patna.

(Transferee)

(3) M/s Sharma Bros. Patna.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structure on 600 Sft. situated at Exhibition
Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part)
Circle No. 9, Ward No. 2, within Patna Municipal Corpora-
tion more fully described in document No. 7183 registered
with D.S.R. Patna on 29-11-78.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Mridula Chandra, W/o Shri Nirmal Chandra, Bakerganj, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna-800001, the 23rd July 1979

Ref. No. III-338/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 213B, Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2 situated at Exhibition Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Sudama Devi, W/o Shri R. B. Sharma, Kankerbagh Patna.

(Transferee)

(3) M/s Sharmas Bros., Patna.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures on 1380 Sft. land situated at Exhibition Road, Patna bearing H. No. 213B, M.S. Plot No. 722B (Part) Circle No. 9, Ward No. 2, within Patna Municipal Corporation more fully described in Document No. 7182 registered with the D.S.R., Patna on 29-11-78.

J. NATH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979.

Scal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA-800001

Patna, the 23rd July 1979

Ref. No. III-339/Acq/79-80.—Whereas, I J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Circle No. 15, Holding No. 96, Ward No. 6, M.S. No. 58 situated at Subzibagh, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-11-78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohammad Sultan Ahmad, S/o Hakim Mohammad Ahmad, resident of Makbania Kuan Road, Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Mohammad Khurshid Alam S/o
Md. Serajul Haque
Md. Aftab Alam } Minor sons of Md.
Md. Feyaz Alam } Serajul Haque
Vill. Kisun Das, P.S. Dariyapur, Distt. Saran.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storeyed building on 384 Kari of land situated at Mohalla Subzibagh, Patna bearing Circle No. 15, Holding No. 96, Ward No. 6, M. S. Plot No. 58 more fully described in Document No. 7181 registered with the District Sub-Registrar, Patna on 29-11-78.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 23-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Patel Shankerbhai Dahyabhai, Abodra, Anand (Tal) Kheda Dist.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhaganbhai Purushothamdas Patel 14, Anandnagar, Jetalpur, Road, Baroda.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 1st June 1979

Ref. No. P.R. No. 682 Acq. 23-1400/6-1/78-79.—Whereas I, S.C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 105, Plot No. 14 of Anandnagar situated at Jetalpur road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 13-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at "Anandnagar" Plot No. 14, located in Survey No. 105 of Jetapur and fully described in sale deed No. 5279 registered on 13-11-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinodchandra Muljibhai Patel, Madvi, Baroda.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. C. Barot, 29, Amrakunj Co. op. Housing
Soc., Race Course Circle, Baroda.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

Ref. No. P.R. No. 685 Acq. 23-1401/6-1/78-79.—Whereas,
I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
RS. No. 18-Subhanpura, Plot No. 29 of Amrakunj Soc. situ-
ated at Race Course Circle, Baroda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda, on 16-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
20—186GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 29 of Amrakunj Co. op.
Housing Soc. situated at R.S. No. 18 of Subhanpura, Race
Course Circle, Baroda and fully described as per sale deed
Registered Vide No. 5294 on 16-11-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

No. Acq. 23-I-1982 (826)/18-2/78-79.—Whereas, I, S.C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 705 City Ward No. 1 & City S. No. 712 Nr. Bhalgamda Darwaja & Parajia Kuva, Limdi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Limdi on 21-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nirmalkumar Pritamlal Daltari being power of Attorney holder of Shri Mugutlal Keshavlal Kamdar, 407, Vimal Society, Banganga, Bombay-6.
(Transferors)

(2) Shri Dilipkumar Jamsinh Vaghela guardian of deceased Smt. Maya Kunverba Rana wife of Shri Bapalalbhaji Jivabhai—herself & mother of Minor Ilakubha Bapalal, Address : at Village Mahij, Tal. Limdi, Dist. Surendranagar.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing City S. No. 705—City Ward No. 1 and City S. No. 712 standing on land adm. 563.31 sq. mtr. & 18.37 sq. mtr. situated at Bhalgamdarwaja and Parajia Kuva, Kothri Sheri, Limdi, duly registered by Registering Officer of Limdi vide sale-deed No. 1465/21-11-1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sushi M. Jyorge, Add. R. K. C. Rajkot.
(Transferors)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ravindrakumar I. Bhatt, and Rajendrakumar I.
Bhatt, Bilkha House, Kalawad Road, Rajkot.
(Transferees)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th July 1979

No. Acq. 23-I-1963 (827)/16-6/78-79.—Whereas,
I, S.C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.
S. No. 443 Paiki Plot No. 2-A-3 situated at Kalawad Road,
Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 23-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 443, Paiki Plot No. 2-A-3, ad-
measuring 875-1-0 sq. yd. situated at Kalawad Road, Rajkot
duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale-deed
No. 4693 dt. 23-11-1978 i.e. property as fully described there-
in.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th July 1979

No. Acq. 23-I-1981 (831)/16-7/78-79.—Whereas,
I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 217-I Paiki N.A. land Plot 6056-2-6 sq. yds. & 1694-
4-0 Sq. yd. for road situated at Upleta, Dist. Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Upleta on 18-11-1978,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
and moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Laxman Shamji Sojitra, Geerapa Plot, Upleta,
Dist. Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Vinodrai P. Parmar, President of Shri Vir Arjun
Co. Op. Hous. Soc. Ltd., Upleta, Dist. Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 217-1 Paiki Non-agricultural land plot
adm. 6056-2-6 sq. yds. and land adm. 1694-4-0 for road
situated at Upleta, Dist. Rajkot, duly registered by Register-
ing Officer, Upleta, vide sale-deed No. 1178/18-11-78 i.e. pro-
perty as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 14th May 1979

Acq. Ref. No. 886.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 104-1/ABC situated at Nadimpalem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 14-11-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Jayalaxmi Ginning Industries, G.T. Road, Guntur, represented by its partners (1) Smt. Ch. Laxmi Narasamma (2) Ch. Venkata Subba Rao (3) Ch. Narasimha Rao (4) N. Vijayasankar.

(Transferor)

(2) Bommidala Bros. Ltd., Tobacco Exporters, Represented by its Managing Director Sri B. Bhanu Murthy, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5320/78 registered before the Sub-Registrar, Guntur, during the F.N. ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-5-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th May 1979

Ref. No. Acq. File No. 887.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 159/2, Ward No. 27 situated at Sitaramapuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Vijayawada on 15-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Tangirala Srirama Sarma, Varanasivari St., Seetharamapuram, Vijayawada.
- (2) T. Chandrasekhar Sastry, GPA Holder Sri T. Sriramasaarma, Vijayawada.
- (3) T. Purushotham, Labour Officer, KCP Ltd., Vuyyuru.
- (4) T. Venkata Vidya Sagar, GPA Holder Sri T. Purushotham, Vuyyur.
- (5) T. Viswanath, Central Bank of India, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Sri Satyasai Trust, 1-2-593/14, Gaganmahal Colony, Hyderabad-500 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5105/78 registered before the S.R.O., Vijayawada, during F.N. ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kakinada.

Date : 17-5-1979.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th May 1979

Ref. No. Acq. File No. 888.—Whereas, I, B. V. Subba Rao being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-33 situated at Ring Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur on 28-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Idupulapati Venkata Krishna Rao,
S/o Venkatappaiah
2. Shri Idupulapati Srinivasa Rao, S/o Venkata
Krishnarao, 1st line, Vidyanagar, Ring, Road,
Guntur-522 007. (Transferor)
- (2) Shri K. Mariadas,
President : The Diocese of Guntur Society,
Hishop's House, P.B. No. 203, Ring Road,
Guntur-522 007. (Transferee)
- (3) The State Trading Corporation,
Ring Road, Guntur.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 5585/78 registered before the S.R.O. Guntur during the fortnight ended on 30-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kakinada

Date : 30-5-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th June 1979

Ref. No. Acq. File No. 889.—Whereas, I B. V. Subba Rao being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 29-25-4 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Duggirala Sreeramulu,
S/o Basavayya,
Suryaraopeta, Vijayawada-1.

(Transferor)

- (2) Shrimati Gokavarapu Raja Prasannalatha,
W/o Ramalingeswara Rao,
Srinivasa Lorry Supply Office,
Bhavanarayana St., Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered Document No. 5057/78 registered before the Sub Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-11-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada,

Date : 7-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ouseph Mathai (For E. Emmanuel)
Chinkallel, Edakkara.

(Transferor)

(2) Dr. Josekutty,
Panakkal Hospital,
Keezhthadiyooou, Palai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 13th June 1979

Ref. L.C. No. 301/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Palai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meenachil on 3-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—186GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 cents of land with buildings in Sy. No. 17/2/3 of Palai Municipality.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 19th June 1979

Ref. L.C. No. 303/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kasaragod (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kasaragod on 29-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Balsavar Shiva Rao,
(ii) Balsavar Sanjiva Rao,
(iii) Balsavar Venugopal Rao,
(iv) Balsavar Shrikar Rao,
(v) Balsavar Jayaram.
(By Gokkanna Gopal Rao), Kasaragode.
(Transferor)
- (2) Shri S. A. Wahab,
Mehboob Motor Service,
M. G. Road, Kasaragod.
(Transferee)
- (3) The Manager, Vijaya Bank, Kasaragod.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10.12 areas of land with buildings in S.R. Sy. Nos. 42-15 & 42-19 of Kasaragod village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-6-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. A. Abraham, and Smt. Havvamma,
Mattummal,
C/o Jayaram Lodge,
Perumbavoor-683 542.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 7th July 1979

Ref. L.C. No. 306/79-80.—Whereas I. K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Perumbavoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perumbavoor on 2-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri P. M. R. Ashraf, and
2. Shri P. M. R. Rouf,
Hamza Hajee & Co., Perumbavoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land with a building in Sy. No. 305/3/3, Perumbavoor Village.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 7-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016,

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 307/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Erumeli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanjirappally on 1-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. F. Chacko,
2. Smt. Mary Chacko,
3. Shri O. P. Abraham,
4. Shri Cyriac Vellapally,
5. Shri P. G. Paul.
All r/o Ollappillil House, Peroor P.O., Via.
Ettumanoor, Kottayam Dist. (Transferor)
- (2) Shri K. V. Kurian, Karimpanal House,
Kanjirappally. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 acres of rubber estate with buildings in Erumeli Village as per schedule attached to Doc. 4383/78 dated 1-11-78 of SRO, Kanjirappally.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",

ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 308/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Erumeli (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanjirapally on 1-11-1978

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

was not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. F. Chocko,
2. Shri P. G. Paul
Rep. by N. F. Chacko
3. Shri C. P. Abraham
Rep. by N. F. Chacko.
All r/o Ollappillil House,
Peroor P.O. Via Ettumanoor.

(Transferor)

- (2) Smt. Rose Kurien, W/o K. V. Kurien,
Karimpanal House, Kanjirapally.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 acres of rubber estate with buildings as per schedule to Doc. No. 4382/78 of SRO, Kanjirapally.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, ErnakulamDate : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 10th July 1979

Ref. L.C. No. 309/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Cannanore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cannanore on 1-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. A. P. Rajamani,
W/o P. K. Purushothaman
2. Manoj (minor)
rep. by P. K. Purushothaman
3. Ranjitha (minor) rep. by P. K. Purushothaman
4. Hira (minor) rep. by P. K. Purushothaman
All r/o Subash Colony, Kakkad, Cannanore.
(Transferor)

- (2) Shri P. Sreedharan, M/s. Sretex Traders,
10, Community Centre, East of Kailash,
New Delhi-24.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd right over the property as per schedule attached to Doc. No. 2333/1-11-78 of SRO, Cannanore.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 10-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 11th July 1979

Ref. L.C. No. 310/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Cannanore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cannanore on 23-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Potheri Sarojini,
W/o P. C. Ramakrishnan,
M/s. Standard Pottery Works,
Alwaye.

(Transferor)

- (2) Shri Vannarakkal Kallalathil Sreedharan,
M/s. Kavitha Tourist Home, Cannanore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

80 cents of land with buildings in Cannanore as per schedule attached to Doc. No. 2542/78 of SRO, Cannanore.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016,

Cochin-682 016, the 12th July 1979

Ref. L.C. No. 311/79-80.—Whereas I, K. Narayana Menon, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 20-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. R. Balakrishnan,
House No. XXXV/574-A, Durbar Hall Road,
Ernakulam, Cochin-16.
(Transferor)
- (2) Islahiya Association, (By Shri K. C. Abdulla)
P.O. Chennamangallur, Kozhikode.
(Transferee)
- (3) (i) P. L. Devarajan (ii) K. K. Ursula (iii) Parekh
(iv) V. V. Francis and Lilly (v) P. J. Joshney
(vi) M. K. Mohamed Ismail (vii) Nedungadi
Bank (viii) M/s. Elmech International (ix) M/s.
Elmech Capacitors.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7.340 cents of land with building in Ernakulam Village as per Doc. No. 3498 of SRO, Ernakulam.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1283/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 32 situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—186GI/79

(1) (1) Shri Fakruddin, (2) Taher Ali, sons of Shri Mohd. Ali Bohra, Bohra Bakhhal, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Nazar Hussain, (2) Inayat Hussain sons of Shri Haji Jeewakhan Bhai Bohra, 32, Siyaganj Main Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 32 on Bakhba 1672 sq. ft. at Siyaganj Main Road, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28th June, 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 28th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1284/79-80.—Whereas, I, D. C. Goel, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 17 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13th November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Hafiza Bai, w/o Shri Turab Ali,
2. Smt. Jakiya Bai, w/o Shri Inayat Hussain,
72, Bohan Gali Main St., Dr. Khosla Marg,
Mhow.

(Transferor)

- (2) Smt. Kanchan Bai, W/o Ambalalji,
17/2, Siyaganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four-storeyed House No. 17 on Rakba 1274 sq. ft. at Siyaganj, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 28th June, 1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 2nd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1285/79-80.—Whereas, I D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Land situated at Silgaon, Teh. Khurai (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khurai on 28th November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savitri Bai, W/o Shri Ravidutt Sharma, Vill. Silgaon, Tehsil Khurai, Distt. Sagar.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Sandhya Devi, W/o Shri Arunoday Choube; and
(2) Smt. Shushila Devi, W/o Pt. R. C. Bargava, Vill. Silgaon, Tehsil Khurai, Distt. Sagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Silgaon, Tehsil Khurai bearing Khasra No. 17/1, Rakba 41.7 acres (16.687 Hectares).

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd July, 1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khushi Ram Kakwani, S/o
Shri Hiranand Kakwani,
Sawarkar Ward, Mudwara.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmandas, S/o Bhagwandas,
2. Smt. Rukhi Bai, Wd/o Shri Bhagwandas Kundi,
Gurunanak Ward, Mudwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1286/79-80.—Whereas, I D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. House situated Katni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katni on 16th November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 249 at Gurunanak Ward, Mudwara (Katni).

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1287/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 4th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puranchand, S/o Kaluramji Jain, 10/17, South Tukoganj, Indore. (Transferor)
- (2) S/Shri L. Narottamlal (2) Shyamlal, (3) Rajendra Kumar (4) Sumati Kumar, sons of Shri Bhagirathji Gupta, 28, Rajwada Chowk, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 8, House No. 17, South Tukoganj, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1287/79-80.—Whereas, I, D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 7th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramlalji, S/o Shri Hiralalji Jaiswal,
193, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Chandabai, W/o Shri Shantilalji Chourdiya,
Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 6350 sq. ft. at Mitraniwas Road, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vishwas Karm, S/o Shri Shridhar Karm,
44, Vasudeo Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Narendra Kumar Shrivallji Ruby,
62/41, Vira Sawarkar Market, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./1289/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 48, Vasudeo Nagar, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1290/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29th January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act'. to the following persons, namely :—

(1) Dr. Gokuldas, S/o Shri Gulabchand,
28-B, Builders' Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Sr. Gulzar Singh, S/o Sr. Balwant Singh Gill,
14/5, R. N. Tagore Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 28-B, Builders' Colony, Ward No. 8, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Krishna Kumar Bhargav, S/o Late Shri Shyam Sunder Bhargav, Bunglow No. 34, Narbada Road, Rampur, Distt. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Maharshi Chetna Vigyan Sanstha (M.P.) Maharshi Institute of Creative Intelligence, through Shri Prafulla Shrivastava, General Secretary, Ramnivas Vyoharbagh, Jabalpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1291/79-80.—Whereas, I D. C. Goel,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Rampur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27th February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
23—186GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House known as 'Pawas' bearing No. 54 on Khasra No. 50 2 and its land located on Narbada Road, Rampur, Gwari-ghat, Jabalpur.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1292/79-80.—Whereas, I D. C. Goel, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 5th January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Shri Laxmi Saw Mills, Raipur, Fafadih, Raipur. (Transferor)
- (2) M/s. Shri Dayal Saw Mills, Fafadih, Raipur. (Transferee)
- (3) M/s. United Tyres Pvt. Ltd. Raipur. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 42,250 sq. ft. (3932 sq. m.) bearing Khasra No. 277/1, Bl. No. 149/349, Plot No. 108 at Fafadih, Raipur.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1293/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Fafadih, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19th January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri 1. Murlidhar, S/o Hardeoji Vyas, Jodhpur and 2. Pannalal, S/o Dhanraj Vlas, Jagdalpur.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Sarladevi Chandak, W/o Jainarayan 2. Ku. Rama Chandak (Minor), 3. Sanjay Chandak (Minor) 4. Ku. Chaya Chandak, C/o Smt. Sarla Devi Chandak, 5. Vallabhdas Chandak, C/o Vasap-lalji Chandak; 6. Omprakash Chandak, Fafadih, Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Ward No. 7, Fafadih, Raipur (on Khasra No. 277/1, 277 and 248).

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3rd July, 1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimant H. H. Shri Lokendrasinghi, S/o Late Shri Sajjansinghi, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Ratkumarji S/o Ponamchanji Gandhi, New Road, Ratlam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1294/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. bearing House situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 9th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single-storeyed house (godowns) on Rakba 4248 sft. at Ranjeet Vilas, Baggi Khana, Ghantaghar Road, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 4th July 1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimant H. H. Lokendrasinghji S/o Late Shri Sajjansinghji, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Motichandji S/o Nemichandji Jindani, Tripolia Darwaja, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1295/79 80.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on 9th November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house comprising of three godowns on rakha 4248 sq. ft. at Ranjeet Vilas, Baggi Khana, Ghanta-ghar Road, Ratlam.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 4th July 1979.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1296/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Land situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 24th November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijaya, W/o Keshav Fadke, Flat No. 32 Mala 8, Ambar Building, 13/2 M. G. Road, (Tukoganj), Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ishwar Jhamnani S/o Hotaldasji Jhamnani, 8, Bakshi Colony, Sadar Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, Rakba 3840 sq. ft. at Prakash Nagar, Bakshi Colony Extension, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 4th July 1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1299/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Bhatapara, District Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatapara on 4th November, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. Ranchhod Bhai S/o Virjee, 2. Popatlal; 3. Chhaganlal and 4. Amritlal, sons of Ranchhod-bhai, Bhatapara, District Raipur.

(Transferor)

- (2) Shri Shyamsunder Agrawal S/o Lakhiram Agarwal, Shanker Ward, Bhatapara, District Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot with House at Village Hathni, P.H. No. 25, Gandhi Mandir Ward,

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7th July, 1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramesh Kumar S/o Motilalji Lukad, Shahganj, Tah. Budhni, District Schore.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Kaluramji Goyal, Motia Park, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1297/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15th November, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two-storeyed house on Rakba 1679 sft. near Madarsa Jehangiria School, Motia Park, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7th July, 1979.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1298/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15th November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—186GI/79

(1) Smt. Shamim Bano W/o M. A. Farooqui, Khawaspura, Shahjehanabad, through S. P. Attorney granted by her to Iqbal Hussain Kidwai, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Dr. Nayab Hasan S/o Late Shri Mahtab Hasan, Professors' Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 4550 sq ft. bearing No. 150 out of Kh. No. 102 situated at Idgah Hills, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 7th July, 1979.
Seal.

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 12th July 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1300/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 8th November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ravindra Kumar Rishi S/o Shri Jagdish Chandra Rishi, Civil Lines, Bhopal at present A-54, Kailash Colony, New Delhi through father & attorney Shri Jagdishchandra Rishi, S/o Shri Ganeshdas, A-54, Kailash Colony New Delhi.
(Transferor)
- (2) Master Rajkumar Sakhlecha, minor through mother and natural guardian Smt. Chetan Kumari Sakhlecha, D/o Shri Harsh Chandji Surana, Chhoti Ghati, Jawad, District Mandasour.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of Plot No. A-4 (part of Khasia No. 1426) measuring 5000 sq. ft. situated at Vidya Vihar, Banganga, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12th July, 1979,
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. LDH/124/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building No. 45-B Industrial Estate Ludhiana situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Gopal s/o Shri Achhru Ram and Shri Dharam Prakash Bhalla s/o Sh. Munshi Ram Bhalla, residents of 25-26, Green Park, Civil Lines, Ludhiana through Sh. Sudhir Kumar Bhalla s/o Sh. Dharam Parkash Bhalla.

(Transferor)

(2) Sadhu Singh Dua & Co., through Shri Bhupinder Singh, 45-B, Industrial Estate, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Dharam Lal, Plot No. 45-B, Industrial Estate, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building over a plot No. 45-B measuring 266.2/3 sq. yards situated in Industrial Estate, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3106 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Dated : 16th July 1979

Seal :

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. CHD/237/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential House No. 836, Sector 16-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sardar Chand Chimah s/o Shri Ram Ditta Mal, r/o 145-C, Model Town, Patiala. (Transferor)
(2) Shri L. C. Kapur s/o Shri Fateh Chand r/o M. No. 6, Sector 7-A, Chandigarh. (Transferee)
(3) Shri H. R. Verma (Retd. Major) c/o Delhi Automobiles, Industrial Area, Chandigarh. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 836, Sector 16-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 647 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12th July, 1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. CHD/244/78-79.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Single Storey House No. 343, Sector 15-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girdhari Lal s/o Kundan Lal r/o, H. No. 343, Sector 15-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Mittar Shabi s/o Shri B. N. Shabi r/o H. No. 735, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey House No. 343, Sector 15-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 680 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh.)

G. P. SINGH
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Competent Authority,
Acquisition Range, Ludhiana

Seal :

Date : 12th July, 1979.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/200/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Shops Building Nos. 1622/2, 1623/2, & 1624/2 situated in Purani Kotwali Chowk, Patiala, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Subhadra Devi wd/o Sh. Narain Dass,
2. Smt. Krishana Dhawan,
3. Smt. Sashi Seth,
4. Sh. Pawan Kumar,
5. Sh. Sarwan Kumar,
6. Sh. Satish Kumar all d/s ss/o Sh. Nara in Dass
r/o H. No. 213, Jorian Bhatian, Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Parmilla Aggarwal w/o Sh. Varinder Aggarwal
t/o 4145/2, Mohalla SuaiGiran, Patiala.

(Transferee)

- (3) 1. Sh. R. C. Shoggal, Stationery Merchant
2. Sh. Varinder Aggarwal of Boxin Optical
Company.
3. Sh. Bhai Parkash Singh Shamsher Singh Book
Sellers.

4. Sh. Joginder Singh Tea Stall,
all r/o Shops No. 1622/2, 1623/2 & 1624/2,
Near Purani Kotwali Chowk, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops property Nos. 16622/2, 1623/2 & 1624/2 situated in Purani Kotwali Chowk, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 4778 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/260/78-79.—Whereas, I, G. B. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 852½ Sq. yds. situated opposite Polo Ground, Rajbaha Road, near Modi College, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sajjan Singh s/o Sh. Mehtab Singh, r/o Opposite Polo Ground, Rajbara Road, near Modi College, Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Ravinder Kaur w/o Sh. Ripudaman Singh, r/o Opposite Modi College, Patiala.

(Transferee)

- (3) Shri Ripudaman Singh Sethi s/o Gopal Singh Opposite Modi College, Patiala.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-17/423, measuring 852½ SQ. Yds. opposite Modi College, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 55615 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Saran Singh s/o Sh. Kishan Singh r/o 84 Masjid Road, New Delhi-110084.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tejinderpal Kaur w/o Sh. Jagteshwar Singh, r/o 6-River Driver Society, Adajan Road, Surat (Gujrat).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) The Confirmation Section, Punjab State Electricity Board, H. No. 74-B/2, Model Town, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th July 1979

Ref. No. PTA/269/78-79.—Whereas, I. G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House property No. 74-B/2, Model Town, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 74-B/2, Model Town, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5738 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 12 July 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. CHD/238/78-79.—Whereas, I. G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 3261, Sector 27-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—18601/79

(1) Shri Sunder Lal Sehgal s/o Shri Mathura Dasa Sehgal, r/o H. No. 3261, Sector 27-D Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Chawla s/o Shri Bakhtu Ram Chawla and Smt. Parmeshwari Devi w/o Shri Roshan Lal Chawla, r/o S.C.F.No. 35, Sector 29-C Chandigarh.
(Transferee)

(3) 1. Shri Devi Dayal,
2. Shri Jatinder Singh,
3. Shri Suresh Chand Singla,
4. Shri Inderjit Singh,
5. Shri Tilak Raj Sabharwal,
6. Shri Sunil Jain,
7. Shri K. C. Bajaj,
8. Shri Sikander Lal,
9. Shri Madan Lal Sehgal and
10. Shri Amrit Lal Rastogi, all r/o 3261, Sector 27-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 3261, Sector 27-D Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 649 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 16th July 1979

Sd/-

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. GHD/240/78-79.—Whereas, I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.F. 7, Sector 18-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mussadi Lal Garg s/o Sh. Lachmi Narayan,
r/o H.No. 1629, Sector 7-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Bhagwan Dass s/o Sh. Latkan Ram,
r/o SCF No. 10, Sector 19-D, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) M/s Ashok Sweets,
S.C.F. 7, Sector 18D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 7, situated in Sector 18-D, Chandigarh.
(The property as described in the Registered Deed No. 653 of November, 1978 of the Registering Authority Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979/

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. CHD/241/78-79.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential House No. 1007, Sector 21, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Smt. Amar Kaur wd/50 Late Dharam Singh, r/o H. No. 368, Model Town, Panipat, (Transferor)
- (2) Shri H. S. Soin s/o Shri Dalip Singh Soin, r/o H. No. 273, Greater Kailash 2, New Delhi-110048. (Transferee)
- (3) Punjab State Cooperative Training Institute H. No. 1007, Sector 21-B, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1007, Sector 21-B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 654 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979/
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. PTA/165/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Kothi situated at Taffalpura, near Guru Nanak Colony, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Brij Lal Gupta, s/o Shri Tiwa Ram and Smt. Tarawati w/o Sh. Brij Lal Gupta r/o Taffalpura, Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Anokh Singh Sandhu s/o Sh. Arjan Singh Sandhu & Smt. Paramjit Kaur w/o Shri A. S. Sandhu, S.D.O. Pb. State Electricity Board, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi situated at Taffalpura near Guru Nanak Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4045 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Dated : 16th July 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 16th July 1979

Ref. No. PTA/164/78-79.—Whereas I NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of Kothi situated at Tafjalpura, near Guru Nanak Colony, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bij Lal Gupta s/o Sh. Jiwa Ram & Smt. Janki wati w/o Trij Lal, r/o Tafjalpura, Patiala
(Transferor)
- (1) (1) Smt. Paramjit Kaur w/o Sh. A. S. Sadhu, S.D.O.F.S.E.B. Ludhiana.
(2) Shri Arokh Singh Sandhu s/o Sh. Arjan Singh Sandhu S.D.O. Electricity Board, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi situated at Tafjalpura, near Guru Nank Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4044 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Dated : 16th July 1979
Seal :

FOI M ITNS

(1) Shri Mela Singh s/o Shri Ram Singh, R/o Jatiwal, Tehsil Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurdav Singh s/o Shri Khem Singh, R/o Jatiwal, Tehsil Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 16th July 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. NBA/79/78-79.—Whereas I, C. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 15 bighas situated at village Jatiwal, tehsil Nabha, Khalsa No.

234	232	233	241		241	
0-6	6-5	4-3	1-6	and	3-0	

situated at — (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nabha in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas situated at village Jatiwal, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1811 of November, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16th July 1979

Seal :